वर्ष-15, अंक-279

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

जो अंतर को देखता है,
बाह्य को नहीं,
वही सच्चा कलाकार है।
- महात्मा गाँधी

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, सोमवार 13 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

कुंभ मेले का शाही आगाज

60 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, गूगल बाबा ने बरसाए फूल

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सोमवार(13 जनवरी) से महाकुंभ 2025 का आगाज हो चुका है। महाकुंभ 2025 का भव्य शुभारंभ पौष पूर्णिमा के पहले शाही स्नान के साथ हुआ। लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती के संगम में डुबकी लगाई। । सुबह 9:30 बजे तक 60 लाख भक्त आस्था की डुबकी लगा चुके थे, और दिनभर में यह संख्या एक करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इस आयोजन में जर्मनी, ब्राजील, रूस सहित 20 देशों के विदेशी भक्त शामिल हो रहे हैं।

गूगल ने पेश किया है खास फीचर गूगल ने कुंभ मेला पर एक खास फीचर पेश किया है। महाकुंभ टाइप करते ही स्क्रीन पर गुलाब के पंखुरियों की बारिश होने लगती है। बड़ी संख्या में विदेशी श्रद्धालु भी कुंभ में पहुंचे हैं। आइए जानते हैं महाकुंभ में कैसा है श्रद्धालुओं और संतों का उत्साह। क्या हैं इंतजाम और क्या रहने वाला है खास। बता दें कि इस बार के महाकुंभ में 144 वर्षों बाद दुर्लभ संयोग बन रहे हैं। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक, ग्रह-नक्षत्रों की यह स्थिति अमृत लाभ और पुण्य प्राप्ति का अवसर प्रदान करती है। संगम में स्नान करने का यह अवसर श्रद्धालुओं के लिए खास महत्व रखता है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। महाकुंभ को सफल बनाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। संगम क्षेत्र में

वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई है। सुरक्षा के लिए 60,000 पुलिसकर्मी, कमांडो और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात हैं। साथ ही, पूरे क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन की निगरानी है। पहली बार, अंडरवाटर ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो 24 घंटे पानी के अंदर गतिविधियों पर नजर रखेगा। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक नाव पर चौकी बनाई है। यह कुंभ के दौरान सभी घाटों का चक्कर लगा रहा है। इस पर पुलिसकर्मी तैनात हैं जो सभी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं।

बड़ी संख्या में शामिल हो रहे विदेशी भक्त महाकुंभ में शामिल हुए विदेशी भक्त भी सनातन की भक्ति में रंगे नजर आ रहे हैं। रूस से आई एक महिला ने कहा, भारत की आस्था देखकर मैं भावविभोर हूं। दक्षिण अफ्रीका से आए एक श्रद्धालु ने इस अनुभव को अद्वितीय और प्रेरणादायक बताया। यह आयोजन न केवल भारत के लिए, बल्कि विश्व के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक अनुभव है।

पीएम मोदी और सीएम योगी ने दी शुभकामनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ 2025 के शुभारंभ पर ट्वीट करते हुए कहा, महाकुंभ भारतीय संस्कृति की महानता और आस्था का अद्वितीय उत्सव है। सभी श्रद्धालुओं के लिए मेरी शुभकामनाएं। यह पर्व भारतीय परंपराओं और अध्यात्म की भव्यता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज से एक बयान जारी करते हुए कहा, महाकुंभ 2025 एक भव्य और दिव्य आयोजन है, जिसमें देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालु संगम में स्नान कर अपनी आस्था प्रकट कर रहे हैं। प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां सुनिश्चित की हैं। मैं सभी भक्तों का स्वागत करता हूं।

हेलिकॉप्टर से बरसाए जाएंगे फूल 4 साल के अंतराल पर होने वाले महाकुंभ में देश विदेश से दुनिया के करोड़ों श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। इस बार उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे भव्य बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से गुलाब की पंखुड़ियों बारिश की जाएगी। पर्यटकों के लिए सस्ती हेलिकॉप्टर राइड की व्यवस्था है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजल होगा। साथ ही मेले की सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था किए गए हैं।

सबसे पहले जूना अखाड़ा के संतों ने लगाई डुबकी महाकुंभ के पहले शाही स्नान में सबसे पहले जूना अखाड़ा ने डुबकी लगाई। परंपरा के अनुसार, शाही स्नान में शुरुआत साधु-संतों और अखाड़ों के स्नान से होती है। जूना अखाड़ा के नागा साधु, भव्य शोभायात्रा के साथ संगम तट पर पहुंचे। उनके बाद दूसरे प्रमुख अखाड़ों ने क्रमवार स्नान किया। पूरे आयोजन में अनुशासन और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

उत्तराखंड में 100 मीटर गहरी खाई में गिरी बस, 5 की मौत, 17 घायल

पौड़ी। उत्तराखंड में पौड़ी से सेंट्रल स्कूल जाने वाले मार्ग पर शनिवार को बस हादसा हो गया। दहलचोरी जा रही बस सत्याखाल के पास अनियंत्रित हो गई। इससे बस 100 मीटर खाई में जा गिरी। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हैं। घटना के बाद राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया गया। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर शोक व्यक्त किया है। मृतकों के परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। जानकारी के अनुसार, ये हादसा दोपहर करीब तीन बजे हुआ। मिनी बस पौड़ी बस अड्डे से देहलचौरी के लिए निकली थी। लेकिन, सत्याखाल के पास बस अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गई और 100 मीटर खाई में जा गिरी। गिरते समय बस पेड़ से टकराई, जिससे वह और नीचे जाने से रुक गई। हालांकि, हादसे के कारण बस के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस में सवार यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर तुरंत राहत कार्य शुरू किया गया। प्रशासन को सूचना दी।

14 मार्च से नहीं, अब 21 मार्च से होगा आईपीएल का आगाज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की शुरूआत मार्च में होगी। इसकी जानकारी रविवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि आईपीएल 2025 का आगाज 21 मार्च से होगा।आईपीएल के 18वें संस्करण की शुरूआत को लेकर बीसीसीआई की विशेष आम बैठक में फैसला लिया गया। लीग का पहला मुकाबला किन टीमों के बीच खेला जाएगा, इसको लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। शुक्ला ने बैठक खत्म होने के बाद कहा कि मीटिंग में एक ही बड़ा मुद्दा था, वो कोषाध्यक्ष और सचिव का चयन था। इस दौरान शुक्ला ने बताया कि आईपीएल कमिश्नर की भी नियुक्ति एक साल के लिए कर दी गई है। इसके अलावा उन्होंने

महिला प्रीमियर लीग पर भी बात की। उन्होंने बताया कि लीग के वेन्यू भी तय हो गए हैं, जिनका ऐलान जल्द होगा। शुक्ला ने बताया कि टूर्नामेंट के 18वें एडिशन का आगाज 21 मार्च से होगा जबकि फाइनल मैच 25 मई को खेला जाएगा। हालांकि इस बारे में अब भी आधिकारिक घोषणा का ऐलान बाकी है। दरअसल चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच 9 मार्च को खेला जाएगा। जबकि पहला सेमीफाइनल 4 मार्च और दूसरा सेमीफाइनल 5 मार्च को खेला जाएगा। इसके ठीक बाद 14 मार्च से आईपीएल शुरू होने वाला था। इस वजह से खिलाड़ियों को ज्यादा ब्रेक नहीं मिल पाता। आईपीएल में कई विदेशी खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे, जो कि मार्च में पाकिस्तान और यूएई में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए होंगे। लिहाजा उन्हें आराम नहीं मिल पाता।

मप्र की लाड़ली बहनों के खातों में आए 1553 करोड़ रुपए

शाजापुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को शाजापुर जिले के कालापीपल से लाड़ली बहना योजना की 20वीं किस्त जारी की। उन्होंने सिंगल क्लिक से 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1553 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को झूठेलाल कहा। सीएम ने कहा कि केजरीवाल कहते हैं लाड़ली बहना योजना के लिए पैसा डलने बंद हो गए। ये केजरीवाल नहीं झूठेलाल हैं, झूठेलाल। मुख्यमंत्री ने 55 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 335 करोड़ रुपए और 26 लाख बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 27 करोड़ रुपए की राशि भी

जारी की। उन्होंने मंच से ही शाजापुर जिले के 11 गांवों को नाम बदले की भी घोषणा की है। साथ ही अगले 5 साल में सरकारी 2 लाख 70 हजार पदों पर भर्ती की भी बात कही है। लाड़ली बहना योजना की राशि जारी करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केजरीवाल, झूठेलाल देख लें जरा आंख खोल के। यहां हर महीने रक्षाबंधन मन रहा है। आंखें हों, तो देख लो। कह रहे हैं कि लाड़ली बहना योजना के लिए पैसा डलने बंद हो गए। तुम्हारी तो बहन-बेटी है नहीं। जाने क्या-क्या बोल कर दो-दो बार सरकार बना ली। सरकार भी झूठ की नींव पर बनाई। ये केजरीवाल नहीं झूठेलाल हैं, झूठेलाल। सीएम ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर कहा कि वे कहते हैं कि मैं कांग्रेस के साथ कभी नहीं जाऊंगा। कांग्रेस के साथ आने के लिए लोकसभा चुनाव लड़ने चले गए। मैं घर नहीं बनवाऊंगा। अपने लिए शीशमहल बनवा लिया। मैं सुरक्षा नहीं लूंगा। पीछे 10-10 गाड़ियां रखीं। इन्होंने सब उल्टा किया है। ये झूठेलाल हैं।

तिहरा शतक...14 साल की आयरा जाधव ने बनाए 346 रन

बेंगलुरु। मुंबई की युवा बल्लेबाज आयरा जाधव ने अंडर-19 घरेलू क्रिकेट मैच में धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए तिहरा शतक जमाकर शानदार रिकॉर्ड बनाया है। 14 साल की आयरा जाधव बीसीसीआई के वुमंस अंडर-19 एक दिवसीय इंटरनेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट में मुंबई की ओर से ओपनिंग करने उतरी थीं। मेघालय के खिलाफ उन्होंने 157 गेंदों में नाबाद 346 रन बनाए। अंडर-19 क्रिकेट में किसी भारतीय खिलाड़ी (पुरुष और महिला) का अब तक का सबसे बेहतरीन रिकॉर्ड है। इससे पहले का रिकॉर्ड महाराष्ट्र की स्मृति मंधाना के नाम था। बेंगलुरु के अलूर क्रिकेट ग्राउंड में खेलते हुए उन्होंने मेघालय की गेंदबाजी की बखिया उधेड़ते हुए 42 चौके और 16 छक्के जड़े। आयरा की पारी की बदौलत मुंबई ने 50 ओवरों में तीन विकेट के नुकसान पर 563 रन बनाए। भारत में किसी भी टूर्नामेंट और किसी भी एज ग्रुप में एक महिला टीम की ओर से खड़ा

किया गया सबसे विशाल स्कोर है।

544 रनों से मेघालय को हराया अंडर-19 वुमेंस वन डे कप, बेंगलुरु के अलूर क्रिकेट ग्राउंड में 12 जनवरी को खेला गया। यह मैच मेघालय और मुंबई के बीच हुआ। मैच में मेघालय ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी।बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई टीम ने 50 ओवरों में कुल 563 रन बने। इसमें आयरा जाधव ने 346 रन, हर्ले गाला ने 116 रन और दीक्षा पवार ने 39 रन बनाए। आयरा ने 274 रन कप्तान हर्ले के साथ मिलकर और 186 रन दीक्षा पवार के साथ मिलकर बनाए। 564 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेघालय की टीम को मुंबई टीम की गेंदबाजों ने खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया और महज 26 ओवरों में ही पूरी टीम को आउट कर दिया। मेघालय की टीम केवल 19 रन ही बना सकी। मुंबई की गेंदबाज जिया मंद्रावाडकर और ययाति ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि रितिका यादव और अक्षया शिंदे ने दो-दो विकेट लिए। इसके साथ ही मुंबई की टीम ने 544 रनों के विशाल अंतर से यह मैच जीत लिया।

देवजीत सैकिया बीसीसीआई के नए सचिव बने, जय शाह की जगह संभालेंगे पद

नई दिल्ली। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज देवजीत सैकिया आधिकारिक रूप से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नए सचिव चुने गए हैं। सैकिया आईसीसी के नवनियुक्त अध्यक्ष जय शाह की जगह यह पद संभालेंगे। सैकिया का बीसीसीआई सचिव बनना तय माना जा रहा था क्योंकि इस पद के लिए नामांकन करने वाले वह एकमात्र उम्मीदवार थे। वहीं, प्रभतेज सिंह भाटिया कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। सैकिया और भाटिया निर्विरोध अपने-अपने पद पर चुने गए। सैकिया और भाटिया को चुनने का फैसला बीसीसीआई की विशेष आम बैठक (एसजीएम) के दौरान हुआ। जय शाह के आईसीसी अध्यक्ष बनने के बाद सैकिया अंतरिम सचिव के तौर पर काम कर रहे थे। बीसीसीआई के संविधान के अनुसार, कोई भी रिक्त पद 45 दिनों के अंदर विशेष आम सभा बुलाकर भरी जानी होती है। जय शाह ने एक दिसंबर 2024 को पदभार संभाला था और बीसीसीआई ने पद खाली होने के 43वें दिन बैठक बुला ली। भाटिया आशीष शेल्लार की जगह कोषाध्यक्ष पद संभालेंगे। आशीष महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार में कैबिनेट मंत्री बने थे जिस कारण उन्हें बीसीसीआई में अपना पद छोड़ना पड़ा था।

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया शुरू किया युवा शक्ति मिशन

सीएम बोले- 70% युवाओं को 2028 तक रोजगार देने की होगी कोशिश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संवाद, समर्थ समृद्धि और बढ़ेगा युवा बढ़ेगा मध्यप्रदेश है। रविवार को भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबांधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति मिशन का उद्देश्य युवाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन का पहिया चार समाज के बीच घूमता है। युवा, गरीब, महिला और किसान। सरकार की योजना भी इन्हीं चार के आसपास घूमती है। आज दुनिया सबसे ज्यादा युवा आबादी भारत में है। इसलिए हम खुद अपने दम पर जवाब देने के लिए तैयार भी है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए संवाद, समर्थ और समद्धि तीन बिंदु हैं। आज सिर्फ डिग्री लेने से काम नहीं चलेगा। हम युवाओं को आत्मनिर्भर भी बनाएंगे। आज शिक्षा के साथ कौशल भी जरूरी है। सीएम ने कहा कि 2028 तक

मप्र के 70 प्रतिशत से ज्यादा युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे। इस मिशन का यह बड़ा लक्ष्य है। शिक्षा के बगैर जिंदगी अधूरी है। शिक्षा के लिए कॉलेज जाएं, पीजी करें, इसकी जरूरत भी नहीं हैं। लेकिन, न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर युवा शक्ति मिशन से 10वीं-12वीं के युवा शत प्रतिशत आधार पर इन कक्षाओं को पास करें। यह हमारा मिशन है।

युवाओं को दिशा देने की जरूरत सीएम ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर जब हम युवा शक्ति मिशन की बात कर रहे हैं तो यह बात सही है की असीम ऊर्जा का स्रोत हमारा युवा होता है लेकिन इन युवाओं को दिशा देने की जरूरत है। हमारा युवा नौकरी पाने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनना चाहिए। जलियांवाला बाग हत्याकांड का पाप जिस जनरल डायर ने किया। हमारे एक युवा साथी मदन लाल ढींगरा ने यहां से सात समुंदर पार कर इंग्लैंड पहुंचकर 14 साल की उम्र में अपनी गोली से जनरल डायर का हिसाब चुकता कर देश को गौरवान्वित किया।

इंदौर में 193 साल पुराने गोपाल मंदिर को शादी के लिए किराए पर दे दिया

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। होलकर कालीन जिस ऐतिहासिक गोपाल मंदिर को स्मार्ट सिटी कंपनी ने करोड़ों रुपये खर्च कर संवारा, उस आस्था के केंद्र को रविवार को मैरिज गार्डन के रूप में तब्दील किया गया।

आस्था के साथ खिलवाड़ करते हुए वहां न सिर्फ शादी हुई, बल्कि मेहमानों का शाही भोज भी आयोजित किया गया। प्रशासन के धर्मस्व विभाग के अफसरों ने नियमों को ताक में रखकर इस आयोजन की अनुमति दी। इस घटनाक्रम पर शहर में हल्ला मचने पर जिम्मेदार अधिकारी जागे और जांच के आदेश दिए।

राजवाड़ा स्थित शहर के प्राचीन गोपाल मंदिर में रविवार को हुई शादी ने प्रशासन के लापरवाहीपूर्ण रवैये को उजागर कर दिया। धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र को महज एक लाख रुपये में किराए पर देकर शादी का आयोजन कराया गया।

मैरिज गार्डन की तरह उपयोग
गर्भगृह के सामने हवन कुंड और मंडप बनाया गया। मंदिर के गलियारे में सोफे रखे गए और भोजन पकाने और मेहमानों को परोसने की शाही व्यवस्था करके मंदिर परिसर को किसी मैरिज गार्डन की तरह इस्तेमाल किया गया। मंदिर के बाहर मेहमानों के लिए की गई बेरिकेडिंग से भक्तों को मंदिर तक पहुंचने में परेशानी हुई।

भक्तों को दर्शन करना भी मुश्किल
वहीं गर्भगृह के सामने फेरे होने के कारण भक्तों को दर्शन करना भी मुश्किल होता रहा। भोजन पकाने और टेंट लगाने की वजह से मुख्य मंदिर के आसपास का रास्ता भी बंद कर दिया गया। विवाह आयोजन की बुकिंग 29 जुलाई को सिर्फ 25,551 रुपये में की गई थी। इसके बाद जमा हुई राशि की रसीद सामने नहीं आई।

मंदिर की पवित्रता का नहीं रखा ध्यान
होलकर कालीन प्राचीन गोपाल मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है। इसकी पवित्रता बनाए रखने वाले अधिकारियों ने मंदिर को पार्टी वेन्यू में बदलकर जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया। मंदिर की आमदनी बढ़ाने के लिए धार्मिक स्थल को पार्टी स्थल में बदल दिया।

मंदिर के मैनेजर केएल कौशल का कहना है कि माफी अधिकारी के निर्देश पर एक लाख रुपये लेकर शादी के लिए मंदिर परिसर किराए पर दिया था। मैनेजर अधिकारियों के आदेश का हवाला देकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते रहे।

1832 में हुआ था मंदिर का निर्माण
राजवाड़ा के समीप गोपाल मंदिर का निर्माण यशवंतराव होलकर प्रथम की पत्नी कृष्णाबाई ने सन 1832 में 80 हजार रुपये में कराया था। मुख्य मंदिर पत्थर और परिसर के कक्ष पत्थर और लकड़ी से बनाए गए हैं। सागवान और कालिया की लकड़ी से बने मंदिर को मराठा और राजपूत शैली में आकार दिया गया है। तीन साल पहले स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत इस मंदिर को 20 करोड़ रुपये में संरक्षित किया गया था।

इंदौर में पार्षद कमलेश कालरा के घर हमला करने वालों में आगे थी महापौर परिषद लिखी कार

सिटी चीफ इंदौर।
एमआईसी सदस्य जीतू यादव पर कार्रवाई के बाद भी दो पार्षदों और शहर भाजपा के दो खेमों का विवाद अभी शांत नहीं होने वाला। कार्रवाई के बाद पार्षद कमलेश कालरा ने संतोष तो जताया, लेकिन उन्होंने आरोप भी लगाया कि बीते सप्ताह पहले महापौर परिषद सदस्य लिखी कार ने उनके घर के चक्कर के लगाए।

उसके पीछे ही हमलावर उनके घर पहुंचे। वे मांग कर रहे हैं कि यादव के खिलाफ नामजद एफआईआर हो। दोपहर से लेकर शाम तक कालरा यह भी कहते रहे कि उनके पुत्र के साथ हुए बर्ताव के खिलाफ समाज जनआक्रोश यात्रा निकालेगा।

सीएम ने कहा– जनआक्रोश यात्रा स्थगित कर दी
हालांकि देर शाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कहने पर बयान जारी किया कि जनआक्रोश यात्रा स्थगित कर दी गई है। पार्षद जीतू यादव इंदौर के विधानसभा क्षेत्र दो से आते हैं। जबकि वार्ड 65 के पार्षद कमलेश कालरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक चार से।

बीते शनिवार को दोनों पार्षदों की बहस का एक आडियो वायरल हुआ था। इसके ठीक बाद पार्षद कालरा के घर पर बदमाशों की भीड़ ने हमला कर दिया। घर में घुसकर उनके नाबालिग बेटे के कपड़े उतरवाकर बदमाशों ने वीडियो भी बना लिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से ही घटना की शिकायत

क्षेत्र चार की विधायक मालिनी गौड़ के साथ कालरा व समर्थकों ने पुलिस थाना घेरा और पार्षद जीतू यादव पर हमला करवाने का आरोप लगाया। उसी दिन इंदौर में मौजूद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन मंत्री हितानंद शर्मा के पास गौड़ और कालरा पहुंचे और घटना की शिकायत की।

हालांकि तब नगर निगम की ओर से पहले कालरा के खिलाफ ही निगमकर्मी से अभद्रता करने की एफआईआर दर्ज हुई। बाद में जैसे–तैसे अज्ञात हमलावरों के खिलाफ पुलिस ने कालरा की शिकायत पर रिपोर्ट लिखी।

इधर... सुलगने लगी राजनीति
घटनाक्रम के बाद भाजपा के विधानसभा दो और चार के खेमे में वर्षों से जारी राजनीतिक अदावत में चिंगारी लगाई थी। अब वह सुलग कर सतह पर नजर आने लगी है। कालरा के घर हमले के बाद चार नंबर से विधायक पुत्र और भाजपा के नगर उपाध्यक्ष एकलव्यसिंह गौड़ ने फेसबुक पोस्ट डाली थी कि याचना नहीं अब रण होगा। शनिवार को कार्रवाई के बाद गौड़ ने फिर पोस्ट लिखी अभी तो ये अंगड़ाई है आगे और लड़ाई है। दरअसल इस पूरे मामले में चार नंबर खेमे ने दिल्ली तक शिकायत की थी।

इंदौर से हैदराबाद के लिए 15 जनवरी से शुरू होगी एक और डायरेक्ट फ्लाइट

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर एयरपोर्ट से बीते साल विंटर सीजन से शुरू हुआ नई उड़ान शुरू करने का सिलसिला जनवरी में भी जारी है। 15 जनवरी से विमान कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस हैदराबाद के लिए सीधी उड़ान शुरू करेगी। यह उड़ान प्रतिदिन शाम को हैदराबाद से इंदौर आकर वापस हैदराबाद जाएगी।

इसकी शुरुआत होने के बाद हैदराबाद जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त उड़ान का विकल्प मिलेगा।

देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा तीन घरेलू और एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान का संचालन किया जा रहा है। 15 जनवरी से विमान कंपनी अपनी हैदराबाद की उड़ान शुरू कर रही है।

इसकी घोषणा बीते वर्ष दिसंबर में करने के साथ बुकिंग शुरू कर दी गई थी। विमान कंपनी के अनुसार उड़ान आईएक्स 2887 शाम 4.40 बजे हैदराबाद से रवाना होकर शाम 6.25 बजे इंदौर आएगी। वही वापसी में उड़ान आईएक्स 2889 शाम 6.55 बजे इंदौर से रवाना होकर रात 8.25 बजे हैदराबाद पहुंचेगी।

हैदराबाद से है अन्य देशों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट
ट्रैवल्स एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के हेमेंद्र सिंह जादौन का कहना है कि हैदराबाद की उड़ान शुरू होने से यात्रियों को फायदा होगा। हैदराबाद से अन्य देशों की कनेक्टिंग उड़ान पकड़ने वाले यात्रियों को भी इंदौर से हैदराबाद के लिए अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। इंदौर से हैदराबाद के लिए वर्तमान में तीन उड़ाने विमान कंपनी इंडिगों द्वारा संचालित की जा रही है। यह उड़ाने इंदौर से दोपहर 12.40 बजे, शाम 6.25 बजे और रात्रि 7.30 बजे संचालित होती है। अब एयर इंडिया की उड़ान की शुरू होने से हैदराबाद के लिए चार उड़ाने हो जाएगी। यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मुहैया होगा।

एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा इंदौर से अंतरराष्ट्रीय उड़ान के संचालन के बाद इस विंटर सीजन से लगातार घरेलू उड़ानें बढ़ाई जा रही है। हैदराबाद उड़ान शुरू होने के बाद विमान कंपनी की घरेलू उड़ानों की संख्या चार हो जाएगी। पिछले महीने कोलकाता, दिल्ली और बेंगलुरू की उड़ान शुरू की जा चुकी है।

इंदौर में स्पीड से गाड़ी दौड़ाने वाले हो जाएं अलर्ट
25 एंट्री-एग्जिट पाइंट पर लगेंगे हाईटेक कैमरे

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। क्राइम ब्रांच ने शेयर बाजार में रुपए इन्वेस्ट कराने के नाम पर 3 करोड़ से ज्यादा के फ्राड के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपियों ने पीड़ित डॉक्टर से कई खातों में रुपए ट्रांसफर कराए।

पुलिस के मुताबिक मोहन सोनी की रिपोर्ट पर अज्ञात लोगो पर केस दर्ज किया है। आरोपियों ने उनसे संपर्क करने के बाद कहा कि वह वी बुल कंपनी में इनवेस्ट करें। इसके बाद उनसे करीब तीन करोड़ से ज्यादा की राशि कई खातों में ट्रांसफर करवा ली। मोहन ने बताया कि वे फेसबुक दोस्त के माध्यम से एक ग्रुप में जुड़े थे। यहां दो लड़कियों ने उनसे संपर्क किया और बताया कि वी बुल अच्छी कंपनी है। आप इसमें इन्वेस्ट करेंगे तो आपको बहुत फायदा होगा। उनकी बात मानकर उन्होंने आनलाइन ट्रेडिंग करना शुरू कर दी। जिसमें बहुत सारी जानकारी एक लिंक के माध्यम से भरवाई गई। इसके बाद कुछ रुपए इन्वेस्ट करवाए गए। बाद में कुछ रुपए उनके पास पहुंचे तो उन्हें लगा कि यहां पर रुपए लगाना फायदा है। इसके बाद उनहोने 1 करोड से ज्यादा इनवेस्ट किया गया। इसके बाद दीपावली पर जितना रूपया उन्होंने डाला था। उसमें से कुछ रुपए वापस करने के लिये इनवेस्ट किया तो उन्होने बताया कि अभी इनकम टेक्स स्लेब के हिसाब से 30 प्रतिशत देना होगा। जिसमें वह रुपए देने में आनकानी करने लगे।

रुपए नहीं आए तो कहा– कस्टमर केयर पर करें बात
मोहन ने बाद करीब 55 लाख रुपए विभिन्न मदों में दिए गए। इसके बाद उन्होंने बताया कि आपके कंपनी ने जो अकाउंट खोला है। उसमें रुपए ट्रांसफर किये गए है। आप चेक कर ले। जबकि अकाउंट में रुपए नहीं आए थे। यह बात उन्हें बताई तो वह कस्टमर केयर नंबर पर जानकारी लेने की बात करने लगे। इसके बाद वहां कॉल किया तो यह बहाना बनाया गया कि रिजर्व बैक ने आपकी अंमाउट पर रोक लगा दी है। फिर उन्होने इसके लिए 30 लाख फीस की मांग की। उन्होने कहां कि इतना रुपए नहीं देने पर पूरा पैसा डूब जाएगा। इसके बाद 30 लाख भी लेकर अपने रख लियए। इसके बाद भी उन्होने कई व्यवधान बताते हुए अलग अलग मतो में राशि ट्रांसफर कराई। इसके बाद परेशान होकर बेटे अमित को मामले की जानकारी दी।

तिलक नगर थाना क्षेत्र में शराब दुकान के बाहर वारदात

मुंह पर सिगरेट का धुआं छोड़ने से रोका तो मारे चाकू

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। तिलक नगर थाना क्षेत्र में वाइन शॉप के बाहर सिगरेट का धुआं मुंह पर छोड़ने की बात पर विवाद हो गया। विवाद इतना बड़ा की बदमाशों ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में दोनों युवक घायल हो गए। घटना की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

तिलक नगर पुलिस के मुताबिक घटना शुक्रवार रात की है। विकास खेड़े निवासी शांति नगर की शिकायत पर राहुल और अरबाज निवासी रमाबाई नगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि वह उसका दोस्त राजा गोपाल स्कीम नंबर 140 की कलाली पर शराब लेने गए थे। दोनों दुकान से शराब लेकर बाहर रोड पर खड़े थे। तभी वहां राहुल और अरबाज सिगरेट पीते हुए आए और हमारे मुंह पर सिगरेट का धुआं छोड़ने लगे। उन्हें रोका तो इस बात पर विवाद हो गया। राहुल और अरबाज ने चाकू निकाल लिए और हम पर हमला कर दिया। राहुल ने राजा गोपाल को चाकू मारा जो उसके सीने पर लगा और अरबाज ने विकास को चाकू मारा जो उसके बांए कंधे पर लगा। घटना में दोनों घायल हो गए। इधर, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। वहीं घायलों की शिकायत पर पुलिस ने दोनों बदमाशों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।

चोरी के सामान के बंटवारे में विवाद, बदमाशों ने नाबालिग साथी की हत्या कर पहाड़ी से फेंका

सिटी चीफ इंदौर।
सांवेर थाने की धरमपुरी चौकी के अंतर्गत रिंगनोदिया की पहाड़ी पर नाबालिग की हत्या कर शव फेंकने का मामला सामने आया है। अशोकनगर जिले के मुंगावली में कुछ दिन पहले तीन बदमाश चोरी कर फरार हुए थे। इनमें से एक सांवेर की चाय–नाश्ते की दुकान पर ही काम करता था।

चोरी के सामान का बंटवारा करने और शराब पीने तीनों आरोपित रिंगनोदिया की पहाड़ी पर चले गए। यहां बंटवारे की बात पर तीनों का विवाद हो गया। इसमें दो आरोपितों ने मिलकर नाबालिग की हत्या कर दी और शव पहाड़ी से फेंक दिया।

मुंगावली पुलिस ने जब आरोपितों को पकड़ा और तीसरे के बारे में पूछताछ की तो हत्या की बात स्वीकारी। शनिवार देर

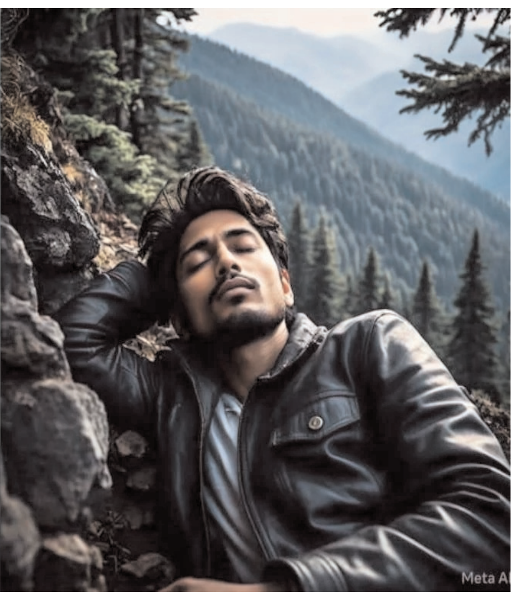

रात पुलिस ने पहाड़ी से शव बरामद किया। चोरी कर दुर्गेश के पास लाते थे समान पुलिस के अनुसार राहुल अहिरवार निवासी मुंगावली, दुर्गेश वाल्मीकि निवासी 60 फीट रोड एरोड्रम रोड, इंदौर और नाबालिग तीनों दोस्त थे। नाबालिग और राहुल चोरी कर चोरी का सामान दुर्गेश के पास लाते थे और दुर्गेश उसे बिकवाने का काम करता था। इसके बाद तीनों अपना हिस्सा बांट लेते थे।

दुर्गेश लेकर गया था रिंगनोदिया पहाड़ी पर
दो दिन पहले राहुल और नाबालिग ने मुंगावली के सूने मकान में 20 लाख रुपये की चोरी की। इसमें नकद व गहने शामिल हैं। इसके बाद दोनों उज्जैन से इंदौर आए। इंदौर में आने के बाद वे एरोड्रम रोड पर दुर्गेश से मिले। तीनों ने शराब पीने की योजना बनाई। दुर्गेश दोनों को ई–रिक्शा से रिंगनोदिया लेकर पहुंचा।

शराब पीने के बाद विवाद
रिंगनोदिया पहुंचने के बाद तीनों शराब पीने के लिए पहाड़ी पर गए, जहां पर चोरी के माल के बंटवारे को लेकर विवाद हो गया।

विवाद के चलते राहुल और दुर्गेश ने नाबालिग को पहले चाकू मारा। इसके बाद पत्थर से सिर कुचलकर शव रिंगनोदिया की पहाड़ी से नीचे फेंक दिया।

मल्हारगंज क्षेत्र के होटल से आरोपितों को पकड़ा
राहुल और दुर्गेश हत्या करने के बाद मल्हारगंज स्थित एक होटल में चले गए थे। इस बीच मुंगावली पुलिस को आरोपितों के इंदौर के विजयनगर थाना क्षेत्र में होने की सूचना मिली। विजयनगर थाना पुलिस ने आरोपितों की पहचान कर मुखबिर सक्रिय किए।

जैकेट में खून के निशान
पुलिस को पता चला कि आरोपित मल्हारगंज स्थित एक होटल में हैं। विजयनगर थाना पुलिस ने आरोपितों को होटल से हिरासत में लिया। इस दौरान एक के जैकेट पर खून के निशान भी पुलिस को मिले।

पुलिस ने राहुल और दुर्गेश से नाबालिग के बारे में पूछताछ की तो पहले दोनों पुलिस को गुमराह करते रहे। जब पुलिस ने सख्ती की तो दोनों ने रिंगनोदिया में नाबालिग की हत्या करने बात कही।

पहाड़ी से शव किया बरामद
विजयनगर पुलिस ने इसकी सूचना सांवेर पुलिस को दी। शनिवार रात विजयनगर थाना पुलिस, सांवेर पुलिस और मुंगावली पुलिस रिंगनोदिया पहाड़ी पर पहुंची। यहां से नाबालिग आरोपित का शव बरामद किया।

नाबालिग आरोपित और राहुल पर पहले भी चोरी के कई प्रकरण दर्ज हैं। इस मामले में ग्रामीण एसपी हितिका वासल का कहना है कि शव मिलने पर हमने मर्ग कायम किया है। जांच की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार प्रकरण में धाराएं बढ़ाई जाएंगी।

चल रहीं 'जय भीम, जय बापू, जय संविधान' रैली की तैयारियां

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस उत्साह में नजर आ रही है। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में लगातार बैठकों का दौर जारी है। शुक्रवार को भी पार्टी के दफ्तर में एक महत्वपूर्ण बैठक हो रही है, जिसमें 26 जनवरी को महू में होने वाले आयोजन को लेकर चर्चा हो रही है। कांग्रेस ने महू में होने वाली 'जय भीम, जय बापू, जय संविधान' रैली में बड़ी हुंकार भरने के लिए पूरे प्रदेश से लाखों की संख्या में कार्यकताओं को महू पहुंचने का प्लान बनाया है। इसके लिए कांग्रेस ने बकायदा 121000 शुभ आंकड़ों वाला अंक तैयार किया है। दरअसल, इस अंक को तय करने के पीछे विशेष वजह सामने आई है। कांग्रेस के विधानसभा में 66 विधायक हैं, जबकि सभी 55 जिलों में 55 जिला अध्यक्ष का आंकड़ा माना गया है। पार्टी ने सभी विधायकों को अपने-अपने जिले से कम से कम 1000 कार्यकताओं को लाने का टारगेट दिया है। सभी जिला अध्यक्षों से भी एक-एक हजार कार्यकताओं को महू लाने के निर्देश दिए गए हैं। इस तरह अगर कांग्रेस जिला अध्यक्ष और सभी विधायक कम से कम 1000-1000 कार्यकर्ता लाने में सफल हुए तो महू की रैली में 121000 कार्यकताओं की भीड़ आसानी से जुटाई जा सकती है। हालांकि यह आंकड़ा आसान भी नहीं है। क्योंकि कांग्रेस में लगातार संगठनात्मक कलह की बात भी सामने आ रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जो समन्वय समिति बनाई है, उसके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा से कांग्रेस विधायक कमलनाथ आज की बैठक में नहीं पहुंचे। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह मंच पर दिखाई दिए। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत बनाने की बाद भी सामने आई। पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह भी इस बैठक से दूरी बनाए हुए हैं। पीसीसी दफ्तर में चल रही बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रभारी मध्यप्रदेश जितेंद्र सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य कमलेश्वर पटेल, कांतिलाल भूरिया, अजय सिंह राहुल भैया, सज्जन सिंह वर्मा, बाला बच्चन, कुणाल चौधरी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सह प्रभारी संजय दत्त, आनंद चौधरी, रणविजय सिंह, चंदन यादव, प्रदेश कांग्रेस मोर्चा संगठनों के अध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस बैठक में सबसे महत्वपूर्ण बात जो सामने आई है वह कांग्रेस संगठन को मजबूत करने को लेकर है। जीतू पटवारी ने बैठक में अपना उद्बोधन देते हुए कहा कि कोई संगठन बिना अनुशासन के तरक्की नहीं कर सकता है। सभी को इस भावना से बाहर निकलना पड़ेगा कि मुझे टिकट नहीं मिलेगा तो मैं निर्दलीय लड़ जाऊंगा।

6 पन्नों में 1300 करोड़ का हिसाब तो 66 पन्नों में कितना?

सौरभ शर्मा की डायरी ने बढ़ा दिया सियासी पारा

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल में रतीबड़ के मेंडोरी के जंगलों में एक इनोवा कार से 54 किलो सोना और 11 करोड़ कैश मिला था। यह संपत्ति पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा की बताई जा रही है। आयकर विभाग और लोकायुक्त की छापेमारी के दौरान सौरभ शर्मा के घर से एक डायरी मिलने का जिक्र किया जा रहा था। अब उस डायरी के 6 पन्ने सामने आए हैं। इसको लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जांच एजेंसियों पर भी सवाल खड़े किए हैं। पटवारी ने कहा, ह्लसौरभ शर्मा के यहां लोकायुक्त, आयकर विभाग और ईडी ने छापेमारी की थी, जिसमें 100 करोड़ रुपए की संपत्ति, 11 करोड़ रुपए कैश और लगभग 55 किलो सोना बरामद हुआ था। इस छापेमारी में एक डायरी का जिक्र हुआ था, जिसे मैंने कई बार उठाया है। यह डायरी पब्लिक डोमेन में आनी चाहिए। मैं प्रधानमंत्री से आग्रह करता हूं कि इस मामले में जल्द कार्रवाई की जाए। सौरभ शर्मा को सुरक्षा मिलनी चाहिए और ये पता लगाना चाहिए कि वह कहां है। प्रशासन और शासन जितनी देर करेंगे, डायरी और सौरभ शर्मा के वजूद पर सवाल उठते जाएंगे।

टीएम और टीसी का क्या मतलब?
पटवारी ने कहा कि डायरी में 5 महीने के दौरान 50 करोड़ रुपए का हिसाब दिया गया है। डायरी के छह पेज सामने आए हैं, जिसमें बताया गया है कि पैसा कहां से आया और कहां गया। डायरी के पन्नों पर टीएम और टीसी लिखा हुआ है। ये क्या हैं? क्या टीसी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर और टीएम ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर का कोड वर्ड है?ह्र जीतू पटवारी ने ये भी सवाल उठाया कि बाकी के 60 पेज कहां हैं, क्योंकि पूरी डायरी 66 पन्नों की है। ये पैसा कहां जा रहा था, यह सवाल मध्य प्रदेश की जनता, विपक्ष और मीडिया सब जानना चाहते हैं।

6 पन्नों में 1300 करोड़ रुपए का हिसाब
पटवारी ने प्रधानमंत्री मोदी से भी कुछ सवाल पूछे हैं उन्होंने कहा कि दो-दो चीफ मिनिस्टर पहले शिवराज जी और अब मोहन यादव, दोनों के कार्यकाल में सौरभ शर्मा ने काम किया। यह जो संयुक्त लूट हुई, यह मध्य प्रदेश की जनता से उगाही हुई लूट है। डायरी के इन 6 पन्नों में एक चेकपोस्ट से 1536 करोड़ रुपए का हिसाब है। दूसरा हिसाब 103 करोड़ और तीसरा हिसाब 155 करोड़ रुपए वन टाइम पेमेंट का हिसाब छह पन्नों में है। तो फिर 66 पन्नों में क्या होगा। मतलब 1300 करोड़ के लगभग इन 6 पन्नों में आया है तो 66 पन्नों में क्या आया होगा? कोई सरकारी एजेंसी बताएगी कि यह 6 पन्ने कहां से आए?

चेकपोस्ट खत्म, लेकिन धनउगाही जारी
भ्रष्टाचार का बही खाता इतना है कि मासिक आय कहां से कितनी होगी? यानी छोटे टोल से लगभग 30 करोड़ और बड़े टोल से 60 करोड़ रुपए दिए जाते थे। 19 आरटीओ चेक पोस्ट, जिसमें 51 आरटीओ के 19 चेक पोस्ट पर यह वसूली की जाती थी। उनका हिसाब इन 6 पन्नों में बताया गया। उन चेक पोस्ट के नाम भी लिखे हुए हैं। सरकार ने कहा कि 2021 के बाद हम चेक पोस्ट खत्म कर देंगे। यानी हम चेक पोस्ट खत्म कर देंगे सरकार को कुछ नहीं देंगे, लेकिन उगाही जारी रखेंगे। अलग-अलग जगहों पर छोटे-छोटे कर्मचारियों को ठेका दिया गया।

दोनों मुख्यमंत्रियों से पूछताछ क्यों नहीं हुई?
जीतू पटवारी ने कहा है कि इस केस की जांच तीन एजेंसियां कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस मामले में न तो किसी की गिरफ्तारी हुई है और न किसी से पूछताछ की गई। अभी जो ट्रांसपोर्ट कमिश्नर हटाए गए हैं उनसे क्यों नहीं कुछ पूछताछ हुई। जो उस समय मंत्री था उसको क्यों नहीं गिरफ्त में लिया। क्या कारण है कि दोनों मुख्यमंत्रियों से पूछताछ क्यों नहीं हुई। 1300 करोड़ छोटी राशि नहीं होती है।

1 महीने का लाड़ली बहनों का पैसा
पटवारी ने कहा कि 1300 करोड़ एक महीने की लाड़ली बहना का सारा पैसा है। यानी एक महीने में जितना पैसा लाड़ली बहनों को देना पड़ता है उतना इस 6 पन्ने में घोटाला है। पटवारी ने आशंका जताते हुए कहा कि डायरी गुम की जाएगी। सौरभ शर्मा की जान जाएगी। अगर ऐसा होता है तो सरकार पर इसकी जिम्मेदारी होती है।

सांसद आलोक शर्मा बोले-पुराने भोपाल से कलेक्टोरेट शिफ्ट करना ठीक नहीं

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल के कलेक्टोरेट और कमिश्नर ऑफिस को प्रोफेसर कॉलोनी में शिफ्ट करने का प्लान है। इसके लिए 6 मंजिला बिल्डिंग बनेगी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने प्रोफेसर कॉलोनी और कलेक्टोरेट कैंपस रीडेंसीफिकेशन प्रोजेक्ट को हरी झंडी भी दे दी है। दूसरी ओर, सरकारी दफ्तर कहां लगेंगे? इसे लेकर भी प्लानिंग हो चुकी है। इसी बीच भोपाल सांसद आलोक शर्मा का इस मुद्दे पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि, पुराने भोपाल से कलेक्टोरेट को शिफ्ट करना ठीक नहीं है। सांसद शर्मा ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि पुराने भोपाल से सारे सरकारी ऑफिस जा रहे हैं। नगर निगम और आरटीओ पहले ही जा चुके हैं। पुराने भोपाल की जनता मेरे पास आ रही है। उनका कहना है कि अब कलेक्टर ऑफिस नहीं जाना चाहिए। इस बारे में कलेक्टर से चर्चा की है। इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मिलूंगा। सांसद शर्मा ने कहा, प्रयास रहेगा कि पुराने भोपाल से कलेक्टोरेट शिफ्ट न हो। बिल्डिंग पुरानी हो गई है तो उसी स्थान पर नई बिल्डिंग बनाई जा सकती है। यहीं पर पूर्व केंद्रीय और प्रदेश के मंत्रियों के बंगले हैं। वहां भी कलेक्टोरेट शिफ्ट कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं पूरे भोपाल का सांसद हूं। इसलिए हर क्षेत्र का विकास मेरे लिए जरूरी है। बता दें कि करीब दो साल पहले हाउसिंग बोर्ड ने यह प्रोजेक्ट बनाया था, लेकिन भोपाल सिटीजंस फोरम ने इलाके में पेड़ काटने और छोटे तालाब से 50 मीटर के दायरे में निर्माण को लेकर एनजीटी में याचिका दायर की थी। इसी मामले में हरी झंडी मिली। सुनवाई के दौरान हाउसिंग बोर्ड ने बताया था कि प्लानिंग इस तरह से की गई है कि ज्यादातर पेड़ बचाए गए हैं। यह तालाब से 60 से 150 मीटर दूर बनेगा। यह प्रोजेक्ट प्रोफेसर कॉलोनी में लगभग 13 एकड़ में प्रस्तावित है। हाउसिंग बोर्ड के अफसरों ने संशोधित प्रोजेक्ट का पावर पाइंट प्रेजेंटेशन कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को भी दिखाया था।

विवेकानंद जयंती पर सामूहिक सूर्य नमस्कार

सीएम डॉ. मोहन यादव ने किया योग

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। 12 जनवरी को मध्यप्रदेश के सभी स्कूलों में स्वामी विवेकानंद की जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट स्कूल में योगाभ्यास किया और प्रदेशवासियों को संबोधित किया। वहीं, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नरसिंहपुर जिले के सीएम राइज स्कूल में छात्रों के साथ सूर्य नमस्कार किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के युवाओं को 100 प्रतिशत शिक्षित करने का संकल्प भी लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के भारतीय संस्कृति पर गर्व करने के विचार हम सभी के लिए आज भ्ज्ञी प्रासंगिक हैं। स्वस्थ शरीर और बौद्धिक बल ही युवाओं की असली पूंजी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि मध्य प्रदेश की युवा शक्ति अपने सामर्थ्य और बौद्धिक क्षमता के साथ विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहभागी बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है और हमारी सरकार हर साल सूर्य नमस्कार का आयोजन करती है। मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद के योगदान को याद करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने हमेशा युवाओं को प्रेरित किया। उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए जागरूक किया। उनका योगदान न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अमूल्य है। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करने की प्रेरणा दी और कहा कि उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न कर लो। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बहन कृष्णा गौर, विधायक गण रामेश्वर शर्मा व भगवान दास सबनानी एवं भोपाल की महापौर मालती राय समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद पर बनी दुनिया की सबसे बड़ी 3-डी रंगोली
स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन के शुभारंभ के पूर्व सीएम यादव ने शौर्य स्मारक में विश्व की सबसे बड़ी 3-डी रंगोली का अनावरण किया। उन्होंने खुद इस रंगोली में रंग भरे। इस रंगोली में स्वामी विवेकानंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तस्वीरें उकेरी गईं। इस रंगोली में संवाद, सामर्थ्य और समृद्धि का संदेश दिया गया। विश्व की सबसे बड़ी यह 3-डी रंगोली गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गई है।इस मौके पर सीएम यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश तेजी से प्रगति की ओर अग्रसर है। मुझे गर्व है कि 21वीं शताब्दी भारत की होगी। प्रधानमंत्री मोदी के ज्ञान (गरीब-युवा-अन्नदाता-नारी शक्ति) की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए मध्य प्रदेश में आज से युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मध्य प्रदेश ने इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटी द्वारा बनाई गई अद्भुत कौशल और अतुलनीय कला से समृद्ध यह रंगोली भारतीय संस्कृति और सृजनात्मकता का जीवंत प्रतीक है, जो प्रदेश के प्रत्येक युवा को मध्यप्रदेश का नाम गर्व से ऊंचा करने की निरंतर प्रेरणा देता रहेगी।

गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुई रंगोली
युवा दिवस के उपलक्ष्य में भोपाल के शौर्य स्मारक में 18 हजार स्क्वेयर फीट में बनी विश्व की सबसे बड़ी 3-डी रंगोली को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान मिला है। बता दें, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जैसे ही शौर्य स्मारक में कदम रखा, वैसे ही सैकड़ों स्कूली बच्चों ने उन पर फूलों की बारिश की। ये देखकर सीएम यादव ने खुद भी बच्चों पर पुष्प वर्षा की। उन्होंने इस दौरान कई बच्चों से बात की और उनके सिर पर हाथ रखा। उसके बाद उन्होंने शौर्य स्मारक में स्थापित भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

कैसी है विश्व की सबसे बड़ी रंगोली
इस 3-डी रंगोली को बनाने में 48 घंटे से अधिक का समय लगा है, रंगोली को इंदौर की जानी-मानी कलाकार शिखा शर्मा जोशी और उनकी टीम तैयार की है। शिखा शर्मा देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की ब्रांड एंबेसेडर भी हैं। उन्होंने इस रंगोली में स्वामी विवेकानंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तस्वीरें उकेरी हैं। इसमें संवाद, सामर्थ्य और समृद्धि का संदेश दिया गया है। इसे 18 हजार स्क्वेयर फीट में बनाया गया है। इस रंगोली का आकार 225बाय80 है। इस रंगोली को बनाने के लिए 4 हजार किलो रंगों का इस्तेमाल हुआ है। शिखा ने अपनी रंगोली कला से न सिर्फ मध्य प्रदेश, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। शिखा दसवीं क्लास से बच्चों को कला सिखा रही हैं. वे विश्व के करीब 70 हजार बच्चों को कला सिखा चुकी हैं। इन्हें रंगोली क्वीन के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कई अवॉर्ड भी जीते हैं।

देशभक्ति गीतों पर झूमे बच्चे-युवा
इस कार्यक्रम के दौरान पूरे समय देशभक्ति गीत गूंजते रहे । बच्चे और युवा सभी एक साथ इन गीतों पर झूमते नजर आए। युवाओं और बच्चों ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जीवन महज एक जिंदगी नहीं, बल्कि अपने आप में एक प्रेरणा है। उन कही हुई बातें आज भी सार्थक हैं। अगर उनके जीवन को समझकर उस पर चला जाए तो व्यक्तित्व निखर आएगा। हम किसी भी चुनौती का सामना कर सकेंगे। स्वामी विवेकानंद अब भी हमारे बीच हैं। उनके विचार आज भी हमें उत्साहित और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

बेटों की शादी का न्यौता बांट रहे शिवराज, भोपाल से उदयपुर तक पहुंचेंगे मेहमान

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर जल्द ही दो-दो शादियां होने वाली हैं। उनके दोनों बेटों, कुणाल और कार्तिकेय की शादी की तारीखें तय हो गई हैं। कुणाल की शादी 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर भोपाल में होगी, जबकि कार्तिकेय 5 और 6 मार्च को उदयपुर में शादी के बंधन में बंधेंगे। चौहान परिवार ने पिछले साल अक्टूबर में ही पीएम मोदी को न्योता दे दिया था। दोनों शादियों में देश-विदेश की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा कई केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, वरिष्ठ नेता और उद्योगपति भी शादी में शामिल हो सकते हैं। इस शादी में विपक्षी पार्टियों के बड़े नेता भी आने वाले हैं। हाल ही में शिवराज सिंह चौहान जीतू पटवारी, दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के घर शादी का निमंत्रण देने गए थे।

इस दिन होंगी शादियां
शिवराज सिंह चौहान के घर खुशियों की सौगात आई है। उनके दोनों बेटों की शादियां तय हो गई हैं। छोटे बेटे कुणाल की शादी 14 फरवरी को भोपाल में होगी। यह दिन वैलेंटाइन डे के रूप में भी जाना जाता है। भोपाल के एक होटल में शादी समारोह का आयोजन होगा। वहीं, बड़े बेटे कार्तिकेय की शादी 5 और 6 मार्च को उदयपुर में होगी। कार्तिकेय की होने वाली दुल्हन अमानत मूल रूप से उदयपुर की ही रहने वाली हैं। इसलिए शादी उदयपुर में हो रही है। दोनों की सगाई पिछले साल 17 अक्टूबर को दिल्ली में हुई थी।

बचपन के दोस्त हैं कुणाल और रिद्धि
कुणाल चौहान की शादी रिद्धि जैन से होगी। रिद्धि भोपाल की निशांत कॉलोनी में रहती हैं और कुणाल की बचपन की दोस्त हैं। 23 मई 2024 को भोपाल में ही दोनों की सगाई हुई थी। रिद्धि के पिता आदित्य बिड़ला ग्रुप में वाइस प्रेसिडेंट हैं। कुणाल और रिद्धि दोनों भोपाल में ही शादी के बंधन में बंधेंगे।

कौन हैं कार्तिकेय की पत्नी अमानत बंसल?
कार्तिकेय चौहान की होने वाली पत्नी अमानत बंसल के पिता अनुपम बंसल शू कंपनी लिबर्टी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। अमानत की माँ रूचिता बंसल भी सामाजिक रूप से सक्रिय हैं। वे कन्फेडरेशन ऑफ विमेन एंटरप्रेन्योर्स ऑफ इंडिया के हरियाणा चैप्टर की फाउंडर हैं।

भोपाल में बुक हुआ होटल
कुणाल की शादी भोपाल के एक नामी होटल में होगी। होटल की बुकिंग पहले ही हो चुकी है। शादी की तैयारियां जोरों पर हैं। चौहान परिवार शादी के समारोह को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। कार्तिकेय की शादी उदयपुर के किसी खूबसूरत स्थान पर होने की संभावना है। उदयपुर अपनी झीलों और राजसी ठाठ-बाट के लिए मशहूर है। ऐसे में यह शादी भी शाही अंदाज में होगी।

सम्पादकीय

ऑनलाइन झूठ के खिलाफ वैश्विक अभियान को झटका!

मेटा प्लेटफार्म ने शुक्रवार को अपने कर्मचारियों को भेजे एक आंतरिक मेमो में घोषणा की कि कंपनी अपने डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन कार्यक्रमों को समाप्त कर रही है। इन कार्यक्रमों में नियुक्ति, प्रशिक्षण और आपूर्तिकर्ताओं का चयन जैसे महत्वपूर्ण प्रयास शामिल थे। दरअसल नियुक्ति, प्रशिक्षण और आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक अलग टीम काम करती थी जिसे अब खत्म कर दिया है।

मेटा प्लेटफार्म ने शुक्रवार को अपने कर्मचारियों को भेजे एक आंतरिक मेमो में घोषणा की कि कंपनी अपने डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन कार्यक्रमों को समाप्त कर रही है। इन कार्यक्रमों में नियुक्ति, प्रशिक्षण और आपूर्तिकर्ताओं का चयन जैसे महत्वपूर्ण प्रयास शामिल थे। दरअसल नियुक्ति, प्रशिक्षण और आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक अलग टीम काम करती थी जिसे अब खत्म कर दिया है। यह कदम अमेरिका में राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यभार संभालने से पहले उठाया गया है। दरअसल संयुक्त राज्य अमेरिका में निरंकुश व दक्षिणपंथी रुझान के अगुवा डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से पहले की जा रही उग्र बयानबाजी से पूरी दुनिया में हलचल है। अब चाहे कनाडा को अमेरिका में मिलाने का उनका दावा हो या ग्रीनलैंड व पनामा नहर पर प्रभुत्व का बयान। लेकिन शेष दुनिया के लिये चिंता की बात यह है कि निष्पक्ष वैचारिक स्वतंत्रता के पक्षधर होने का दावा कर रहे अमेरिका संचालित बहुचर्चित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी ट्रंप के निरंकुश व्यवहार से गहरे तक प्रभावित हो रहे हैं। लंबे समय तक ट्रंप से वैचारिक टकराव मोल लेने वाले अमेरिका से संचालित मेटा ने ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले अपनी नीति में बड़ा बदलाव किया है। मेटा ने अपने उस तथ्य जांच कार्यक्रम से हाथ खींचने का फैसला किया है जो ऑनलाइन गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार को नियंत्रित करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। निश्चित रूप से सूचना की विश्वसनीयता के लिए निर्धारित व्यवस्था के खत्म होने से ऑनलाइन झूठ व दुष्प्रचार के खिलाफ वैश्विक अभियान को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया दिग्गज द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले आया है। ट्रंप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रंप आरोप लगाते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर दक्षिणपंथी आवाज को सेंसर किया जाता रहा है। वहीं मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग का कहना है कि उनके इस निर्णय की मुख्य प्रेरणा मुक्त अभिव्यक्ति को प्रश्रय देना है। उनकी इस दलील से कतई सहमत नहीं हुआ जा सकता। दरअसल, अमेरिका में दक्षिणपंथी रुझानों वाला ऐसा वर्ग भी है जो सोशल मीडिया पर सूचना सामग्री में किसी भी हस्तक्षेप का विरोध करता है। जिसके चलते फर्जी खबरों के कारण विवादों की श्रृंखला को जन्म मिल सकता है। बहरहाल, आशंका जताई जा रही है कि तथ्यों की जांच की व्यवस्था समाप्त करने से झूठ और अफवाहों का तंत्र कालांतर कानून व्यवस्था के लिये भी बड़ी चुनौती बन सकता है। इससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की सूचनाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठेंगे। मेटा के इस कदम के बाद अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी दबाव में ऐसे कदम उठा सकते हैं। वैसे राष्ट्रपति का पद संभालने जा रहे ट्रंप से खराब रिश्ते सुधारने हेतु मार्क जुकरबर्ग का कदम व्यावसायिक दृष्टि से तो समझ में आ सकता है, लेकिन सोशल मीडिया पर सूचनाओं की दृष्टि से यह एक गैरजिम्मेदार कदम है। जो दुनिया में विश्वसनीयता व सूचना अखंडता के लिये अच्छा संकेत नहीं है। विडंबना ही है कि सूचना सामग्री को मॉडरेट करने के लिये पेशेवर तथ्य-जांचकर्ताओं पर भरोसा करने के बजाय मेटा एक्स के रास्ते पर जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण ही है। पहले जांच-पड़ताल करके दी जाने वाली पोस्ट पाठकों व दर्शकों का भरोसा जगाती थी कि सूचना सामग्री विश्वसनीय है। लेकिन अब इस नियमन में ढील के निहितार्थों को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं।

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां और भारतीय खेती

खेती-किसानी मौसम और जलवायु के प्रति बहुत संवेदनशील है। यह भूमि, जल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर भी बहुत अधिक निर्भर करती है, जो जलवायु द्वारा प्रभावित होते हैं। ऐसे में मौसम आधारित कृषि-कार्य करने की सलाह, किसानों को बुवाई और कटाई का उचित समय तय करने, पानी और उर्वरक प्रबंधन, कीट और रोग नियंत्रण, एवं अन्य कृषि कार्यों पर मौसम अनुरूप निर्णय लेने में मदद करती हैं। इन सलाहकार सेवाओं का आधार अल्प, मध्यम एवं दीर्घ अवधि का मौसम पूर्वानुमान होता है, जिनके साथ जब फसल की स्थितियों की जानकारी संयुक्त होती है, तो कृषि खाद्य प्रणाली में किसानों को व्यावहारिक कृषि सलाह देने में मददगार होती है।

खेती-किसानी मौसम और जलवायु के प्रति बहुत संवेदनशील है। यह भूमि, जल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर भी बहुत अधिक निर्भर करती है, जो जलवायु द्वारा प्रभावित होते हैं। ऐसे में मौसम आधारित कृषि-कार्य करने की सलाह, किसानों को बुवाई और कटाई का उचित समय तय करने, पानी और उर्वरक प्रबंधन, कीट और रोग नियंत्रण, एवं अन्य कृषि कार्यों पर मौसम अनुरूप निर्णय लेने में मदद करती हैं। इन सलाहकार सेवाओं का आधार अल्प, मध्यम एवं दीर्घ अवधि का मौसम पूर्वानुमान होता है, जिनके साथ जब फसल की स्थितियों की जानकारी संयुक्त होती है, तो कृषि खाद्य प्रणाली में किसानों को व्यावहारिक कृषि सलाह देने में मददगार होती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, कृषि मंत्रालय एवं कृषि विश्वविद्यालयों से मिलकर कृषि समुदायों को मौसम के साथ-साथ संबंधित सेवाएं प्रदान करती है। विगत दशक में मौसम पूर्वानुमान की गुणवत्ता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिससे किसानों की क्षमताओं को बढ़ाने, स्थायी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि प्रणालियों के विकास में मौसम सूचना की महत्ती भूमिका रहती है।

विकसित भारत 2047 पहल, साल 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में परिकल्पित करती है। यह परिवर्तनकारी रोडमैप, समावेशी विकास, सतत-प्रगति और प्रभावी शासन पर जोर देता है। कृषि उत्पादकता और लचीलापन बढ़ाना विकास भारत 2047 को प्राप्त करने हेतु निर्धारित रणनीति के अनुरूप पर्याप्त अवसर पैदा करने के लिए शीर्ष नौ प्राथमिकताओं में से एक है। इन लक्ष्यों को किसानों, विशेष रूप से सीमांत और छोटे किसानों की सक्रिय भागीदारी के बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता है, क्योंकि वे पौष्टिक भोजन की उपलब्धता में सुधार के प्रमुख चालकों में से एक हैं।

विकसित भारत के विभिन्न पहलुओं में आर्थिक विकास, पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक प्रगति और सुशासन जैसे विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जो सभी मौसम संवेदी हैं, ताकि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाया जा सके। इसके लिए, अभी तक पहुंच से वंचित छोटे और सीमांत किसानों को लक्षित करते हुए देश में कृषि मौसम विज्ञान सेवा को मजबूत करने की आवश्यकता है। साथ ही इसे खाध्य प्रसंस्करण प्रणालियों, कृषि उपज मंडियों तथा कृषि विपणन प्रणालियों से जोड़ने पर भी विशेष बाल देना होगा। लघु और सीमांत जोत देश में कुल धारिता का लगभग 86त्न है। कृषि की व्यवहार्यता को बढ़ाए बिना और छोटे और सीमांत किसानों की आय में वृद्धि किए बिना विकसित भारत का विचार हासिल नहीं किया जा सकता है। निरंतर उत्पादकता और बाजार के दबावों का सामना करते हुए, भारत में कृषि को अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और नवाचार क्षमता बढ़ाने के लिए नए उपकरणों की आवश्यकता है।

बड़ी संख्या में छोटे और सीमांत किसानों और कृषि क्षेत्र के विशाल विस्तार को ध्यान में रखते हुए, कृषि आर्थिक विकास में सुधार के लिए किसानों के इस वर्ग को सरकारी एजेंसियों से समर्थन देश के आर्थिक विकास को मजबूत करेगा। साथ ही, उन्हें अपने हितों की रक्षा करने के लिए मौजूदा विनियामक ढांचे को संशोधित करने में महत्वपूर्ण हितधारक बनाना होगा, जिससे वे कृषि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने में सक्षम हो सकें जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके।

किसानों के लिए जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती रही है क्योंकि यह उनकी उत्पादन क्षमता, खाद्य सुरक्षा और आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। जलवायु परिवर्तन से किसानों की जीवन स्थितियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। उन्हें फसल की विफलता और पशुधन के नुकसान के तत्काल जोखिम का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और शमन रणनीतियों के लिए किसानों की क्षमता कमजोर है।

छोटे और सीमांत किसान बड़े किसानों की तुलना में भूजल पर अधिक निर्भर करते हैं जो तेजी से घट रहा है। इसलिए उन्हें भविष्य में पानी के संबंध में और अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। अतः किसानों के लिए मौसम आधारित जल प्रबंधन महत्वपूर्ण है। सतही सिंचाई प्रणालियों में मौसम आधारित प्रबंधन करने की नितांत आवश्यकता है। एकीकृत कीट प्रबंधन जिसमें विभिन्न कीटों एवं रोगों की मौसम आधारित रोक-थाम के लिए भी किसानों की क्षमता को मजबूत करने की आवश्यकता है।

किसानों के सामने आने वाले कई मुद्दों और चुनौतियों के बीच, उपयुक्त कृषि मौसम विज्ञान सेवाओं तक खराब पहुंच एक बड़ी बाधा है। इस कारण खेती के तरीकों में उपयुक्त मौसम संवेदनशील निर्णय जैसे कि बुवाई, निराई-गुड़ाई, इनपुट प्रबंधन, प्रौद्योगिकी उपयोग, भूमि और जल प्रबंधन इत्यादि प्रभावित होते हैं।

उपयुक्त कृषि मौसम सलाह सेवा प्रदान करने हेतु अंतिम मील बाधा को संबोधित करने की आवश्यकता है क्योंकि सेवा का लाभ इस बात पर निर्भर करता है कि कितने किसानों तक यह सूचना पहुंचती है। एक शोध के अनुसार सूचना के 24त्न, 50त्न और 100त्न किसानों तक पहुंचने पर राष्ट्र के किसानों द्वारा अर्जित आर्थिक लाभ क्रमशः 44,321, 92,335 तथा 1,84,671 करोड़ रुपये होगा। कृषि मौसम सलाह सेवाएं, आंकड़ों की उपलब्धता और गुणवत्ता और उनका विश्लेषण करने वाले सूचना उत्पादकों की क्षमता से प्रेरित होती हैं। चूंकि यह सलाह कृषक समुदायों की आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव डालती है और खाद्य सुरक्षा में सुधार करती है, इसकी सूचना को उचित संदर्भ और स्थान विशिष्ट जानकारी सहित अंतिम उपयोगकर्ता किसानों तक उचित समय पर एवं सही भाषा में पहुंचानी आवश्यक है। इसके लिए सूचना-प्रसारण प्रोधोगिकी माध्यमों जैसे की रेडियो, टेलिविजन, मुद्रण सामग्री, नवीनतम मोबाइल प्रौद्योगिकियों एवं सामाजिक मीडिया की सहायता ली जाती है। सीमांत व मझोले किसानों और सबसे अधिक हाशिए वाले समुदायों तक पहुंचना बहुत बड़ी चुनौती है। यदि कार्रवाई योग्य जानकारी को उपयोगकर्ताओं तक न्यायसंगत और प्रभावी तरीके से संप्रेषित किया जाना है, तो यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि कोई भी पीछे न छूटे। खाद्य एवं कृषि संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार जलवायु सेवाओं पर अंतिम मील की पहुंच के लिए इन सेवाओं के निवेश में महत्वपूर्ण अंतर है। यह दुर्भाग्य की बात है।

सॉफ्ट हिंदुत्व के साथ विकास का कॉकटेल

हिंदुत्व के रथ पर सवार होकर सत्ता के शीर्ष तक पहुंची भारतीय जनता पार्टी की इस राजनीतिक पैंतरेबाजी को आम आदमी पार्टी (आप) ने भी लपक लिया। दिल्ली विधानसभा में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के लिए आप कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहती। आप के नेताओं को लगता है कि हिंदुत्व का इस तरह समर्थन करने से भाजपा के लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों के प्रचार को कमजोर किया जा सकता है, जिसके कारण आप के कई नेता जेल में भुगत कर आए हैं। भाजपा विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल के शीशमहल, शराब घोटाले सहित अन्य मामलों को प्रचार का मुद्दा बनाए हुए है। दरअसल आप को समझ में आ गया कि इस देश में सिर्फ विकास के कार्यों से ही सत्ता हासिल नहीं की जा सकती। यही वजह है कि आप ने भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे में सेंध लगा दी। अब भाजपा की मजबूरी यह है कि चाह कर भी इस मुद्दे पर आप का विरोध नहीं कर सकती। भाजपा के सॉफ्ट हिंदुत्व का मुकाबला कांग्रेस नहीं कर सकी। जिसे कांग्रेस भुनाने में नाकामयाब रही, उसे आप ने कर दिखाया। आप ने भाजपा की दिल्ली मंदिर प्रकोष्ठ यूनिट में सेंध लगाई है। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कई धर्मगुरुओं को आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिलवाई और भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया। भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ के 100 से ज्यादा सदस्यों ने केजरीवाल की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आप का दावा है कि पूरी दिल्ली के पुजारी हमारा समर्थन कर रहे हैं और हमें आशीर्वाद दे रहे हैं। इससे पहले आप ने चुनाव जीतने पर पुजारी और ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपए वेतन देने की घोषणा की थी। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी जो कहती है, वो करती है।

भले हम ऐलान करने में थोड़ी देरी कर दें, लेकिन अगर एक बार ऐलान कर देते हैं तो पीछे नहीं हटते हैं। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने जैसे महिला सम्मान और संजीवनी योजना को पुलिस भेजकर रोकने की कोशिश की, वैसे इसको रोकने की कोशिश न करे, पाप लगेगा। दिल्ली भाजपा ने केजरीवाल की घोषणा की आलोचना करते हुए कहा है कि केजरीवाल ने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले और उनकी पूरी राजनीति हिंदू विरोधी रही है। भाजपा के रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से इमामों को खुश करने के लिए हर महीने 18000 वेतन देने वाली आप की सरकार को चुनावी मौसम में अब पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों की याद आई है। जब 10 साल तक मौलवियों को वेतन देने की बात कही, तब पुजारी और ग्रंथियों की याद नहीं आई। गौरतलब यह है कि भाजपा ने केजरीवाल और आप को हिंदुत्व को लेकर कटघरे में खड़ा करने का प्रयास बेशक किया हो, किन्तु योजना को गलत बताने या चुनाव जीतने पर इसे बंद करने की घोषणा का साहस नहीं दिखा सकी। मुफ्त पानी-बिजली और स्कूल जैसी लोकलुभावन घोषणाओं से आप लगातार दो बार भाजपा और कांग्रेस को दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात देती रही है। भाजपा ने पहले नरम हिंदुत्व को चुनावी हथियार बनाया और बाद में उसे विकास की तरफ मोड़ दिया। इसके विपरीत आप ने पहले विकास और अब उसके साथ सॉफ्ट हिंदुत्व को जीत का मोहरा बनाया है। भाजपा ने अयोध्या मुद्दे को चुनाव में भुनाने में कसर नहीं छोड़ी। लंबे अर्से तक भाजपा मंदिर मुद्दे पर विपक्षी दलों को कटघरे में खड़ा करती रही। इतना ही नहीं, विपक्षी दलों को अयोध्या मंदिर के निर्माण और उद्घाटन पर नहीं आने पर हिंदुत्व विरोधी होने का आरोप लगाया। भाजपा ने हिंदुत्व के साथ ही मुस्लिमों के प्रति सद्भाव दिखाने का कई बार प्रयास किया है। यह अलग बात है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम प्रत्याशी नहीं बनाया। अंतरराष्ट्रीय संबंधों की खातिर केंद्र की भाजपा सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम विरोधी होने का दाग धोने का प्रयास जरूर करती रही है। सोशल मीडिया पर देश में प्राचीन मंदिर-मस्जिद विवाद की तल्ख टिप्पणियों की बाढ़ के बावजूद भाजपा ने इससे दूरी बनाए रखी है। यहां तक कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी ऐसे गढ़े मुर्दे उखाड़ कर हिंदुत्व का नेता बनने का प्रयास करने वालों को लताड़ लगाई। कारण स्पष्ट है कि केंद्र की भाजपा सरकार के नेतृत्व में भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने में जुटा हुआ है। इसके लिए अन्य देशों के साथ खाड़ी देशों से भी रिश्ते बनाना जरूरी है, ताकि भारत पर कोई देश सांप्रदायिक आधार पर भेदभाव का आरोप नहीं लगा सके। इसके अलावा भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का कैंपेन भी चलाया हुआ है।

भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और लगातार आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि संभल के मंदिर विवाद के बाद सोशल मीडिया पर हिंदुत्ववादियों के अजमेर की दरगाह के खिलाफ भारी अभियान चलाए जाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से चादर चढ़ाने की वार्षिक रस्म अदा की गई। दरगाह कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष मुनव्वर खान ने सिंह की ओर से चादर पेश की। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के संभल की तरह पिछले साल नवंबर यानी 2024 में अजमेर की एक अदालत द्वारा एक याचिका स्वीकार करने के बाद विवाद खड़ा हो गया था, जिसमें दावा किया गया था कि दरगाह शिव मंदिर के ऊपर बनाई गई थी और अजमेर दरगाह समिति, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को नोटिस जारी किए थे। आम आदमी पार्टी भी भाजपा की तर्ज पर ऐसी राजनीतिक कवायद में जुटी हुई है ताकि हिंदू वोट बैंक का धुव्रीकरण किया जा सके। हालांकि पिछले दो विधानसभा चुनावों में भाजपा का हिंदुत्व का हथियार दिल्ली विधानसभा में भौंथरा साबित हो चुका है। इसके बावजूद केजरीवाल ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते जिससे भाजपा किसी भी रूप में हिंदुत्व के मुद्दे का चुनावी फायदा ले सके।

भाजपा की तुलना में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के सामने मुश्किलें ज्यादा हैं। दिल्ली की सत्ता आप ने कांग्रेस से ही छीनी थी। कांग्रेस का प्रयास है कि किसी भी तरह इसकी वापसी करना है। हालांकि कांग्रेस के लिए आप से चुनावी मोर्चा लेना इतना आसान नहीं है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साफ कर दिया कि आप भी चुनाव में विपक्षी की तरह है। इस पर आप ने गहलोत पर आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए कहा कि कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ चुका है। कांग्रेस और भाजपा मिली हुई हैं। दिल्ली में विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन अन्य राज्यों के चुनावों की तरह फिर बिखर गया। इसके अलावा इंडिया गठबंधन के घटक दल भी आप के समर्थन में हैं।

अल्पसंख्यक वोट बैंक के कारण कांग्रेस की मजबूरी यह भी है कि आप की तरह सॉफ्ट हिंदुत्व का कार्ड नहीं खेल सकती। कारण साफ है, कांग्रेस का आधार राष्ट्रीय है, जबकि आप चुनिंदा राज्यों तक सीमित है। कांग्रेस सॉफ्ट हिंदुत्व जैसी किसी योजना की घोषणा करती, तो दूसरे राज्यों में भी लागू करने का दबाव बढ़ जाता। इसलिए कांग्रेस ने ऐसी किसी घोषणा से दूरी बनाए रखी। अब देखना यह है कि सॉफ्ट हिंदुत्व और विकास के कॉकटेल से आप दिल्ली विधानसभा के चुनाव में किस हद तक कामयाब रहती है।

भारत के लिए खतरे की घंटी है चीनी परियोजना

चीन ने हाल में अरुणाचल से लगे सीमावर्ती इलाके में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक बड़ा बांध बनाने का एलान किया है। इसने भारत और बांग्लादेश की चिंता बढ़ा दी है। अब उस एलान को ध्यान में रखते हुए अरुणाचल में सियांग बहुउद्देशीय परियोजना को शीघ्र हरी झंडी दिखाने पर जोर दिया जा रहा है। लेकिन स्थानीय लोग विभिन्न वजहों से उस परियोजना का विरोध कर रहे हैं। यारलुंग नदी अरुणाचल प्रदेश में सियांग के नाम से जानी जाती है। आगे बढ़ते हुए असम पहुंचने पर उसका नाम बदल कर ब्रह्मपुत्र हो जाता है। देश की सीमा पार बांग्लादेश पहुंचने पर यह नदी जमुना कहलाती है। चीनी बांध का बांग्लादेश में भी प्रतिकूल असर पड़ने का अंदेशा है। इस नदी की कुल लंबाई करीब 2880 किलोमीटर है। इसका 1625 किलोमीटर यानी आधे से ज्यादा हिस्सा तिब्बत में है। भारत और बांग्लादेश में इसकी कुल लंबाई क्रमशः 918 और 337 किमी है। चीन ने वैसे तो वर्ष 2021 में ही ऐसे बांध के निर्माण का संकेत दिया था। उस समय इससे होने वाले नुकसान को कम करने के लिए ही भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में सियांग नदी पर एक बहुउद्देशीय परियोजना का खाका तैयार किया था। लेकिन स्थानीय आदिवासियों के विरोध के कारण यह मामला फिलहाल आगे नहीं बढ़ सका है।

चीनी परियोजना से 60 हजार मेगावाट बिजली पैदा होगी। चीन सरकार ने हालांकि दावा किया है कि इससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। लेकिन भारत में पर्यावरणविदों का कहना है कि यह बांध अरुणाचल प्रदेश से सटे तिब्बत के जिस इलाके में बनना है वह भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। इस बांध से इलाके का पारिस्थितिकी संतुलन भी गड़बड़ा सकता है। इसके अलावा निचले हिस्से यानी अरुणाचल प्रदेश और असम में इसकी वजह से खेती और जैव विविधता पर बेहद प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

पर्यावरणविदों की चिंता की वजह यह है कि पहले भी इलाके में ऐसी कई प्राकृतिक आपदाएं हो चुकी हैं। वर्ष 2000 में यारलुंग सांगपो की सहायक नदी ईगोंग सांगपो में भूकंप के कारण बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ था।

इसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश व असम में आई भयावह बाढ़ से जान-माल का भारी नुकसान हुआ था। इसी तरह वर्ष 2017 में आए भूकंप से इलाके में दो अस्थायी झीलें बन गई थी। भू-वैज्ञानिकों का कहना है कि वह दोनों झीलें हल्के भूकंप की स्थिति में भी फट कर इलाके में तबाही मचा सकती हैं।

चीन के ऐलान के बाद इसके मुकाबले के लिए इलाके में सियांग बहुउद्देशीय परियोजना को शीघ्र लागू करने की मांग बढ़ रही है। लेकिन स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। उनकी दलील है कि इस परियोजना के कारण इलाके के 13 गांव पूरी तरह डूब जाएंगे और 34 गांवों के लोगों की आजीविका और जीवन प्रभावित होगा।

लेकिन अरुणाचल प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री चाउना मीन कहते हैं कि स्थानीय लोगों को नुकसान पहुंचा कर कोई बांध नहीं बनेगा। लेकिन यह परियोजना चीनी परियोजना के खतरों से निपटने के लिए बेहद अहम है। उनका कहना है कि आम लोगों की राय और सार्वजनिक सुनवाई के बाद ही यह परियोजना आगे बढ़ेगी।

मीन कहते हैं कि यह परियोजना महज पनबिजली के लिए नहीं बल्कि चीनी खतरों से निपटने के लिए बी जरूरी है। अगर चीन ने अतिरिक्त पानी छोड़ दिया तो ब्रह्मपुत्र घाटी से लेकर गुवाहाटी के सरायघाट ब्रिज तक सब कुछ डूब जाएगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने भी चीनी परियोजना पर चिंता जताते हुए कहा है कि चीनी परियोजना पूरा होने की स्थिति में ब्रह्मपुत्र का पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह नाजुक हो जाएगा। पूरा इलाक सूखे की चपेट में आ जाएगा और हमें खेती के लए भूटान और अरुणाचल प्रदेश में होने वाली बारिश पर निर्भर रहना होगा। इसी तरह चीन के पानी छोड़ने पर पूरा इलाका डूब जाएगा।

राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव और वन मंत्री श्री केदार कश्यप हुए शामिल

विवेकानंद आश्रम में पढ़ने वाले युवा उर्जा साहस और आत्मविश्वास के साथ समाज के विकास में योगदान दें - उप मुख्यमंत्री

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ
नारायणपुर, राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विधि और विधायी कार्य एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव और संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप आज रामकृष्ण मिशन आश्रम में आयोजित राष्टीय युवा दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव मदद कर रही है। युवाओं को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए जिले के अंदरूणी क्षेत्रों में स्वामी विवेकानंद रामकृष्ण मिशन आश्रम संचालित की जा रही है, जिसमें नारायणपुर जिले के युवाओं को शिक्षा के साथ साथ सांस्कृति, सामाजिक उत्थान के लिए कार्य किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 में हुआ था। स्वामी विवेकानंद ने कुशाग्रबुद्धि के साथ समाज को अच्छी सभ्यता का विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने भारत की सांस्कृति, मान सम्मान के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 09 सितम्बर 1893 में शिकागो के धर्म सभा में जो उपदेश दिये वह अस्मरणीय है। स्वामी विवेकानंद के आश्रमों में विभिन्न प्रकार के गतिविधियां करते हुए समाज के उत्थान के लिए कार्य किये जा रहे हैं जो प्रासांगिक एवं ऐतिहासिक है। बच्चों को शिक्षा के साथ आत्मनिर्भर और कलात्मक दृष्टि से प्रशिक्षण दिये जा रहे है, जिससे उनके जीवन में समृद्धि आयेगी। उन्होंने कहा कि जो बच्चें थोड़ी सी असफलता के कारण निराश होकर दूसरे रास्ते में चले जाते हैं वे हमेशा असफल होते हैं। मनुष्य को कभी निराश होने की आवश्कता नहीं है, उन्हें उर्जावान, साहस और आत्म विश्वास और भयमुक्त होकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससें जीवन में सुखमय एवं समृद्धि प्राप्त होगी।

संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि युवा स्वामी विवेकानंद जी के जीवन को अनुसरण कर अपने जीवन को विकसित और सफल बनाएं। उन्होंने राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को आग्रह करते हुए कहा कि परिश्रम ही अच्छे जीवन को प्राप्त करने के लिए एक साथन है। स्वामी विवेकानंद जी के जीवन परिचय के बारे में जानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वामी जी के द्वारा जीवन में दिये गये उपदेशों को अनुसरण कर जीवन में सफलता प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि मनुष्य कुम्हार के चाक के अनुसार होते हैं। बचपन में बच्चों को जैसे आकृति देंगे उसी प्रकार उसी रास्ते में आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं। उन्होंने भगवान बिरसा मुण्डा और स्वतंत्रता सेनानियों का भी जिक्र करते हुए उनके बताए हुए मार्गों में चलकर समाज को आगे बढ़ाने के लिए आग्रह किया। मनुष्य को देश और मातृभूमि के प्रति अपने दिल में एक सम्मान की भावना जागृत होनी चाहिए।

राष्टीय युवा दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामकृष्ण मिषन आश्रम के सचिव स्वामी व्याप्तानंद जी महाराज ने कहा कि आज पूरा देश युवाओं के साथ खड़ा है। आप सभी को मालूम है कि जिले में वर्ष 1984 में रामकृष्ण मिशन आश्रम की स्थापना हुई है। अबूझमाड़ के लोगों को बेहरत स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए इस आश्रम की स्थापना हुई थी। यहां के बच्चे आश्रम में पढ़ाई कर एक अच्छा इंसान बनकर समाज में अमूल्य योगदान दे रहे हैं।

कार्यक्रम में स्वामी अनुभवानंद, संध्या पवार, रूपसाय सलाम, गौतम गोलछा, बृजमोहन देवांगन, प्रताप मण्डावी, जैकी कश्यप, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, जिला पंचायत सीईओ वासु जैन सहित आश्रम साधुगण, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य 15 जनवरी को करेंगी जनसुनवाई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टि से 15 जनवरी 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे सर्किट हाउस सभागार में आयोग की सदस्य श्रीमती सपना कश्यप द्वारा महिला जनसुनवाई की जाएगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय ने अवगत कराया कि जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से सम्बन्धित शिकायतें जो महिलाओं द्वारा की जाती है, जिसके निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों का होना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अनुरोध करते हुए कहा कि अपने-अपने विभाग द्वारा महिलाओं हेतु संचालित योजनाओं की सूचनाओं

के साथ समीक्षा बैठक में स्वयं प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक राज सिंघल ने सर्राफ अरविंद वर्मा के साथ हुई लूट पर चिंता व्यक्त की

पुलिस-प्रशासन से अति शीघ्र इसके खुलासे की मांग की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक राज सिंघल ने सर्राफ अरविंद वर्मा से थैला छीनकर की गई लूट पर चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस-प्रशासन से अति शीघ्र इसके खुलासे की मांग की है। सिंघल ने कहा कि व्यापारी को अपने प्रतिष्ठान पर आते और जाते समय नकदी पर

विशेष ध्यान रखना चाहिए। आसामाजिक तत्व हमारे आने जाने के रास्ते एवं समय का विशेष ध्यान रखते हैं इसी का फायदा उठाकर सुनसान जगह पर वह वारदात कर बैठते हैं। सिंघल ने कहा कि दुकान से रोजाना पैसा घर लाना ले जाना आवश्यक नहीं है। नगर अध्यक्ष अश्वनी मित्तल, महामंत्री सतवीर चौधरी, कोषाध्यक्ष वरियाम खान ने कहा कि शहर में सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछा होना अति आवश्यक है। युवा अध्यक्ष रविंद्र चौधरी, युवा महामंत्री विकास पुंडीर, युवा कोषाध्यक्ष अंशुल वर्मा, संजय सलूजा, नगर प्रभारी राजन छाबड़ा, अमित सोनी आदि ने भी पुलिस-प्रशासन से अति शीघ्र घटना का खुलासा करने की पुलिस-प्रशासन से मांग की है।

संस्कार भारती कार्यालय पर अयोध्या में श्री राम मंदिर की प्रथम वर्षगांठ पर सुंदरकांड के सामूहिक पाठ का आयोजन किया गया

सहारनपुर । देवबंद, संत नगर स्थित संस्कार भारती कार्यालय पर आज अयोध्या में श्री राम मंदिर प्रथम वर्षगांठ पर सुंदरकांड का सामूहिक पाठ आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक संस्कार भारती जिला अध्यक्ष मुकुल गुप्ता रहे। अपने संबोधन में विभाग संयोजक सरल गुरु डॉ0 लोकेश वत्स ने कहा राम हमारे आराध्य तो है ही, राम हमारे प्राण है, राम हमारी संस्कृति की आत्मा है, राम हमारे सर्वस्व है, राम नाम के गुणगान से बढ़कर के कुछ नहीं हो सकता। इस कली काल में नाम जप बड़ा महत्व है। भवसागर से पार पाने के लिए प्रभु नाम जप का विशेष महत्व है। आरती पंडित अखिलेश शर्मा द्वारा संपन्न कराई गई। जिला अध्यक्ष मुकुल गुप्ता ने इस अवसर पर सभी को प्रसाद वितरित किया और कहा राम नाम लेने से हमारे अंतस की कलुषता दूर होती है। इस अवसर पर महासचिव स्तुति शर्मा एड0, रविंद्र कश्यप एडवोकेट, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह, विजेंद्र कश्यप, नितिन कुमार, अमन कुमार, अनिल कुमार, पृथु वत्स, कौशिकी शर्मा, वरुण आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया जीजीआईसी में निर्माणाधीन कार्यों का औचक निरीक्षण

फिनिशिंग कार्य गुणवत्तापूर्ण न होने पर जिलाधिकारी ने व्यक्त की नाराजगी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत जनपद के राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में स्टेडियम कम प्लेग्राउंड एवं 100 सीटेड खिलाड़ियों के बैठने हेतु निर्माणाधीन कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने फिनिशिंग कार्य गुणवत्तापूर्ण न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम मेरठ को निर्देश दिए कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। बाथरूम एवं रसोई घर में एग्जॉस्ट सिस्टम लगाने के साथ ही दरवाजों के मध्य मानक के अनुसार उचित दूरी रखी जाए। कोई भी टाइल्स टूटी न रहे। भवन हस्तांतरित करने से पहले संबंधित फर्म सभी कमियों को दूर करे अन्यथा भुगतान में कटौती की जाएगी। स्टेडियम की कुर्सियों में उचित दूरी रखी जाए। आपातकाल निकासी की स्थिति

सुरक्षा की दृष्टि से मजबूत की जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि ड्रेनेज की व्यवस्था के अनुसार ही ग्राउंड में लेवलिंग की जाए ताकि जलभराव की स्थित न आए। उन्होंने नगर निगम को निर्देश दिए कि समस्त कमियों को दूर कराने के बाद ही हैंड ओवर लिया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर नगर आयुक्त राजेश यादव, एक्सईएन लोक निर्माण विभाग धर्मेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण एवं ठेकेदार उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास व यज्ञ के साथ सम्पन्न हुआ विवेकानंद जन्मोत्सव

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, मोक्षायतन योग संस्थान परिवार ने अध्यात्मवेत्ता, तपस्वी स्वामी विवेकानंद का जन्मोत्सव यज्ञ ध्यान एवं परिचर्चा के साथ मनाया गया। विश्व योग गुरु स्वामी भारत भूषण के आचार्यत्व में यज्ञ सम्पन्न हुए। यज्ञ के यजमान सहारनपुर के वरिष्ठ चिकित्सक डा. सुदर्शन नागपाल ने सपत्नीक भागीदारी की। योग गुरु पद्मश्री भारतभूषण ने विवेकानंद जी के जीवन पर व्याख्यान देते हुए अनेक जीवनोपयोगी संस्मरणों के माध्यम से विवेकानंद दर्शन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार स्वामी विवेकानंद जी ने दासता के काल में वैश्विक स्तर पर विषमतम परिस्थितियों का सामना करते हुए हिंदू संस्कृति का प्रचम लहराया और पाश्चात्य देशों में हिंदुत्व की उदारता और उसकी आध्यात्मिक शक्ति की जड़ें

विदेशों में जमाई। समाज के साथ राष्ट्, धर्म,संस्कृति उत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव जन जन को जागृत करते रहेंगे। कठोपनिषद का सूत्रवाक्य उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत उन्होंने जीवन में धारण किया जो निरंतर प्रेरक होने के कारण ही यह सूत्रवाक्य मोक्षायतन योग संस्थान के एलबम का हिस्सा है। एकात्मकता व विश्वपरिवार की परिकल्पना, चरित्रवान युवा पीढ़ी के प्रति आशावाद और उग्र राष्ट्रवाद व सकारात्मक चिंतन के साथ योग विद्या व वेदांत दर्शन आधारित जीवन शैली द्वारा श्रेष्ठ संसार बनाने के लिए विषमताओ पर पार पाकर जीवन के परम लक्ष्य को पाने के लिए विवेकानंद के योगदान पर योगाचार्य आलोक श्रीवास्तव, योगाचार्य अनीता शर्मा, योगाचार्य संतोष त्यागी, डा अशोक गुप्ता, योगशिक्षक सोनल चौहान व पूनम वर्मा ने अपने संबोधन में विविध विचार व्यक्त किए।

अनूपपुर बस स्टैंड में आयोजित किया गया यातायात जागरूकता कार्यक्रम

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान परवाह के तहत आज अनूपपुर के बस स्टैंड में बस एवं ऑटो चालकों सहित उपस्थित अन्य आम जनों को यातायात नियमों के संबंध में जानकारी दी गई। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से धारण करने, सहित अन्य नियमों के संबंध में जानकारी दी गई। बस एवं ऑटो चालकों को यात्रियों के परिवहन के दौरान रखे जाने वाली सावधानियां के बारे में समझाइए दी गई, क्षमता से अधिक सवारी न बैठाने की हिदायत दी गई। साथ

ही उपस्थित आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के संबंध पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया। यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई बस स्टैंड में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जन को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। हेलमेट धारण कर वाहन चलाने वाले दो पहिया वाहन चालकों का किया गया सम्मान सामतपुर तिराहा के पास दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट धारण कर यातायात नियमों का पालन करने वाले जागरूक वाहन चालकों को गुलाब फूल भेंट कर किया गया सम्मानित एवं उनका आभार व्यक्त कर दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा अनिवार्य रूप से हेलमेट धारण करने के लिए प्रेरित किया गया।

न्यूट्रिक प्रो कबड्डी टूर्नामेंट की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, आगामी 30 एवं 31 जनवरी 2025 को औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के तत्वाधान में एपीसी ग्राउंड में न्यूट्रिक प्रो कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में बालाघाट जिले की मशहूर एवं मजबूत टीमों के साथ ही सिवनी, मंडला, छिन्दवाड़ा, गोंदिया एवं भंडारा जैसे निकटवर्ती जिलों की टीमों को आमंत्रित किया गया है। आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। पिछले एक सप्ताह से मैदान में सुधार कार्य, समतलीकरण, एवं साफ-सफाई जैसे कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं। रविवार को एपीसी ग्राउंड में आयोजन समिति, एम्पायर्स, एवं शासकीय अमले की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में टूर्नामेंट के विभिन्न क्रियाकलापों एवं यथासमय किए जाने वाले कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। टूर्नामेंट में पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों की टीमें भाग लेंगी। मैदान में दो अलग-अलग कबड्डी कोर्ट बनेंगे और मंच की स्थिति भी तय की गई। टूर्नामेंट को सिंथेटिक मैट पर आयोजित किया जाएगा। रात्रि में मैट की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। मैचों के दौरान स्कोरिंग के लिए कबड्डी स्कोरबोर्ड एवं एलईडी स्क्रीन लगाने की योजना बनाई गई है। फेडरेशन के नियमों के अनुसार

ही सम्पूर्ण टूर्नामेंट आयोजित होगा। एक-एक मैच के लिए 6 लाइनमैन तैनात करने पर सहमति बनी। महिला खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम, वॉशरूम आदि की बेहतर व्यवस्था की जाएगी। सभी टीमों की एंट्री 29 जनवरी तक ही स्वीकार की जाएगी। पार्किंग, भोजन, एवं टीमों के रुकने के स्थानों की व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। बाहर से आने वाली टीमों को फेयर नहीं दिया जाएगा, लेकिन भोजन एवं ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में आयोजन से पूर्व की आवश्यक तैयारियों एवं जिम्मेदारियों पर भी गहन चर्चा की गई। यह बैठक लगभग दो घंटे चली, जिसमें आयोजन समिति के सदस्य, एम्पायर्स, एवं खेल विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में एपीसी चेयरमैन ओपी बिसेन, सेक्रेटरी शरद धानेश्वर, समिति सदस्य रोहित हरिद्वाज, डॉ. रामप्रसाद राणा, अम्पायर भीमराज ठाकरे, विजेन्द्र उइके, उमेश सपाटे, एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग से ब्लॉक खेल समन्वयक लव पटेल नगपुरे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सहयोग और संगठन की प्रतिबद्धता जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के ब्लॉक खेल समन्वयक लव पटेल नगपुरे ने बताया कि यह टूर्नामेंट जिला कबड्डी संघ, विभागीय कर्मचारियों, एवं ग्राम पंचायत के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। सिवनी, मंडला, छिन्दवाड़ा समेत अन्य जिलों की टीमों ने भाग लेने की पुष्टि की है। ग्राउंड में मैट बिछाने एवं समतलीकरण का काम तेजी से चल रहा है। टूर्नामेंट के आयोजन में जिला खेल विभाग का पूरा सहयोग रहेगा।

ऐतिहासिक आयोजन का संकल्प औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के चेयरमैन ओपी बिसेन ने कहा कि यह टूर्नामेंट लालबर्रा के इतिहास में ऐतिहासिक साबित होगा। आयोजन को भव्य बनाने के लिए सभी तैयारी समय पर पूरी करने की योजना बनाई गई है। बैठक में सभी कार्यों का विभाजन किया गया और ब्लॉक खेल समन्वयक ने उपयोगी सुझाव दिए। टूर्नामेंट स्थल के पर्यावरण को भी दर्शकों एवं टीमों के लिए सुखद बनाने का प्रयास किया जा रहा है। 20 जनवरी तक सभी तैयारियां पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। यह टूर्नामेंट न केवल खेल भावना का उत्सव होगा, बल्कि लालबर्रा के खेल इतिहास में एक नई पहचान भी बनाएगा।

छत्तीसगढ़ में ओबीसी आरक्षण पर सियासी घमासान

कांग्रेस और बीजेपी आमने-सामने

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, छत्तीसगढ़ में ओबीसी आरक्षण को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस और बीजेपी के बीच इस मुद्दे पर तीखे आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के प्रमुख दीपक बैज ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह राज्य की आधी आबादी के साथ अन्याय कर रही है।भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 27% करने का प्रस्ताव विधानसभा में पारित किया था। इस प्रस्ताव के तहत छत्तीसगढ़ में कुल आरक्षण को 58% तक ले जाने की योजना थी, जिसमें अनुसूचित जाति (SC) को 13%, अनुसूचित जनजाति (ST) को 32%, और ओबीसी को 27% आरक्षण देने की बात थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने राज्य में 50त्न से अधिक आरक्षण पर रोक लगाते हुए इस पर स्थगन आदेश जारी कर दिया। कोर्ट ने यह आदेश संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का हवाला देते हुए दिया, जिसमें आरक्षण की सीमा 50त्न तय की गई है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी नीतियां ओबीसी समुदाय के

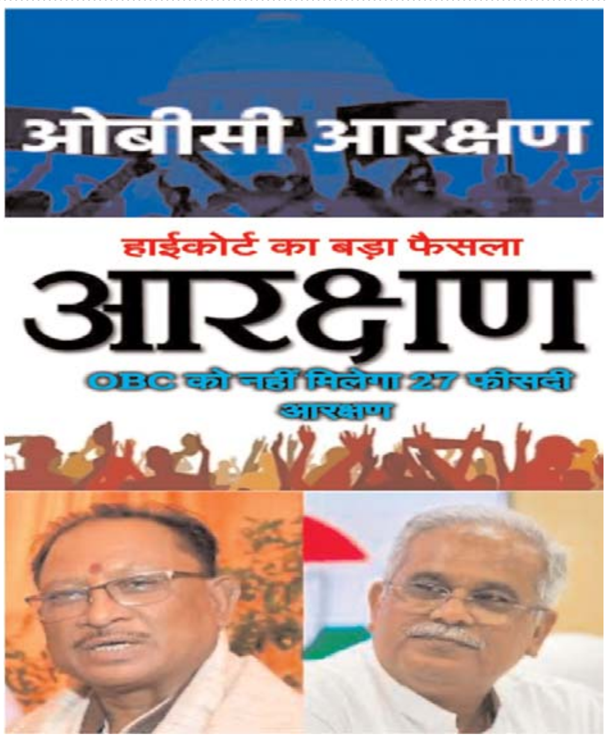

खिलाफ हैं। बैज ने कहा, बीजेपी ने जानबूझकर इस मुद्दे को उलझाया और न्यायालय में प्रभावी पैरवी नहीं की। इससे छत्तीसगढ़ के ओबीसी समुदाय को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। बैज ने सवाल उठाया कि जब महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों में 50% से अधिक आरक्षण लागू हो सकता है, तो छत्तीसगढ़ में ऐसा क्यों नहीं हो सकता। उन्होंने बीजेपी सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी की नीतियां ओबीसी विरोधी हैं। दूसरी ओर, बीजेपी ने कांग्रेस पर सस्ती राजनीति करने का आरोप लगाया है। बीजेपी प्रवक्ता का कहना है कि कांग्रेस सरकार ने बिना संवैधानिक ढांचे का पालन किए आरक्षण बढ़ाने का फैसला लिया, जिसके कारण कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। बीजेपी ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने इस मुद्दे को केवल चुनावी लाभ के लिए उठाया था। राज्य में ओबीसी आरक्षण का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों इस मुद्दे को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भुनाने में लगी हैं। संविधान विशेषज्ञों का मानना है कि आरक्षण के मामले में राज्यों को संवैधानिक प्रावधानों का पालन करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के बाद इस मुद्दे का समाधान संभव है, लेकिन तब तक राजनीतिक बयानबाजी जारी रहने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में ओबीसी समुदाय की बड़ी आबादी को देखते हुए यह मुद्दा आगामी चुनावों में अहम भूमिका निभा सकता है। अब यह देखना होगा कि कोर्ट का फैसला और राजनीतिक समीकरण इस मामले को किस दिशा में ले जाते हैं।

छत्तीसगढ़ में राज्य युवा महोत्सव का रंगारंग आगाज

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, छत्तीसगढ़ में राज्य युवा महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेशभर से युवा प्रतिभाओं ने अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन किया। यह तीन दिवसीय महोत्सव 12 जनवरी से 14 जनवरी तक रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित किया गया। इस वर्ष का थीम युवाओं का जोश, छत्तीसगढ़ की पहचान रखा गया, जो प्रदेश की संस्कृति, कला और युवा ऊर्जा को प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने किया। उद्घाटन समारोह में पारंपरिक नृत्य, संगीत और लोककला की झलकियां देखने को मिलीं, जो छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती हैं। महोत्सव में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें लोकनृत्य, लोकगीत, पेंटिंग, नाटक, खेलकूद और योग प्रमुख रहे। इसके अलावा, युवा उद्यमिता, डिजिटल नवाचार और पर्यावरण संरक्षण पर कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया। महोत्सव के दौरान छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों की विशेष स्टॉल लगाई गईं। लोग फरा, चिला, अंगाकड़ी, और मुठिया जैसे व्यंजनों का लुत्फ उठाते नजर आए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, युवा

महोत्सव प्रदेश के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार मंच प्रदान करता है। यह आयोजन हमारी लोकसंस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं में आत्मविश्वास और एकता का भाव भी जागृत करता है। उन्होंने आगे कहा कि युवा शक्ति के हाथों ही विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की बुलंद इमारत खड़ी होगी। हमारे युवा हमारे प्रदेश के भविष्य हैं। युवाओं की शक्ति और संकल्प के बूते ही हम प्रदेश के नवनिर्माण की राह पर तेजी से बढ़ रहे हैं। महोत्सव का समापन समारोह 14 जनवरी को होगा, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, देशभर के प्रसिद्ध कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। युवा महोत्सव ने पूरे छत्तीसगढ़ में उत्साह का माहौल बना दिया है और यह प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर और युवा प्रतिभा को आगे ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

रंगोली, गिल्ली डंडा, पंतग प्रतियोगिता आयोजित

प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ उमरिया, महिला सशिक्तकरण की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग व्दारा महिलाओ के बीच रंगोली, गिल्ली डंडा, पंतग उड़ाने की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह ने स्टेडियम ग्राउण्ड में पतंग उड़ाकर किया । विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन किया जा रहा है । आगामी दिनों में मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाना है, जिसको दृष्टिगत रखते हुए महिलाओं के लिए बीच रंगोली, गिल्ली डंडा, पतंग उडाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई है । महिलाएं आज पुरूषों से कंधा से कंधा मिलाकर काम कर रही है । उन्होनें हर क्षेत्र में अपने आप को बेहतर साबित किया है। प्रतियोगिता में स्थान रखनें वालें प्रतिभागियों को सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम मुख्य अतिथियों व्दारा शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में हम होंगे कामयाब अभियान अंतर्गत महिला थाना प्रभारी अरूणा व्दिवेदी तथा हिमांशु तिवारी की टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए गए।

युवा दिवसः विद्यार्थियों का दिखा उत्साह किया सूर्य नमस्कार

सीएम कलेक्टर, विधायक की मौजूदगी में हुए विभिन्न आयोजन

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, स्वामी विवेकानंद के जयंती एवं युवा दिवस के अवसर पर आज संभागीय मुख्यालय के महात्मा गांधी स्टेडियम में सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा, जिला शिक्षा अधिकारी एम एल पाठक, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे, डाइट प्राचार्य आर एस गौतम, शिक्षा विभाग से अरविंद कुमार पांडे, स्कूली विद्यार्थियों सहित गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्र गान का सामूहिक गायन, स्वामी विवेकानंद की पवित्र वाणी का

प्रसारण, मध्यप्रदेश गान का प्रसारण हुआ। सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के संदेश का भी प्रसारण किया गया। सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में प्रार्थना मुंद्रा, हस्तउत्तनासन, अश्व संचालनासन, अष्टांग नमस्कार, भुजंगासन, पर्वतासन एवं अन्य मुंद्राओं का अभ्यास कराया गया।

गणतंत्र दौड़ हुए पुरुस्कृत.. स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस एवं युवा दिवस के अवसर पर संभागीय मुख्यालय शहडोल के महात्मा गांधी स्टेडियम में बालक समूह में 1600 मीटर एवं बालिका समूह में 800 मीटर की गणतंत्र दौड़ का आयोजन किया गया। गणतंत्र दौड़ के बालक समूह में प्रथम स्थान हरिदास मरावी, द्वितीय स्थान दीपू सिंह एवं तृतीय स्थान आशीष कुमार प्रजापति ने प्राप्त किया। इसी प्रकार बालिका समूह में प्रथम स्थान राधा मरकाम, द्वितीय स्थान खेमलता एवं तृतीय स्थान सिमरन सिंह ने प्राप्त किया, दौड़ में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बालक एवं बालिकाओं को विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने पुरस्कृत किया।

इस समिति की हिस्सेदारी स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर अदम्य युवा सेवा समिति शहडोल, अदम्य खेल अकादमी शहडोल के द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्यस्तरीय युवा गणतंत्र दौड़ वर्ष 2025 का फाइनल दौड़ हुआ। फाइनल दौड़ को विधायक श्रीमती मनीषा सिंह द्वारा हरी झण्डी दिखाकर दौड़ प्रारंभ की गई, चयन दौड़ से चयनित बेहतर (10 धाविका एवं 16 धावक) 26 खिलाडी सम्मलित हुए। जिसमें धावक 1600 मी. में प्रथम स्थान हरिदास मरावी डिंडोरी, द्वितीय स्थान दीपू सिंह सतना, तृतीय स्थान आशीष कुमार प्रजापति अनूपपुर, धाविका 800 मी. प्रथम राधा मरकाम मंडला, द्वितीय खेमलता परस्ते डिंडोरी , तृतीय सिमरन सिंह शहडोल ने प्राप्त किया। तथा विजेता धावकों को शील्ड भी किया गया। जानकारी के मुताबिक् मुख्य दौड़ के विजेता प्रतिभागियों को दिनांक 26.01.2025 को शहडोल जिले में गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के करकमलों से पुरुस्कृत किया जायेगा द्य विजेता प्रतिभागियों को पुरुस्कार स्वरुप धावक और धाविका को नकद राशि प्रथम 5100, द्वितीय 3100, तृतीय 1100, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जावेगा द्य इस अवसर पर कलेक्टर डॉ.केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्रीराम जी श्रीवास्तव, सहायक संचालक खेल रईस अहमद, योग प्रशिक्षक, शिक्षक, विद्यार्थी और आमजन उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेज के समीप बीती रात्रि बाघ की चहल कदमी

सर्चिंग करने पहुंची टीम, नही मिले पगमार्क मार इधर झीरसागर मार्ग में दिखा बाघ

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, बाघ होने की मौजूदगी की सूचना पर रात भर वन विभाग की टीम सर्चिंग करती रही लेकिन बाघ के होने की पुष्टि नहीं हो पाई है। मेडिकल कॉलेज हाईवे के समीप बीती रात्रि कुछ लोगों ने बाघ की दहाड़ सुनकर मामले की खबर वन विभाग को दी थी, जिसके बाद वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची और रात भर सर्चिंग करती रही,लेकिन बाघ के पघमार मौके पर नहीं मिले। जिससे यह स्पष्ट हो गया कि बाघ की मौजूदगी वहां है ही नहीं। वन विभाग ने कहा कि किसी और जानवर की आवाज सुनकर लोगों ने हमे बाघ के होने की खबर दी थी। अधिकारियो ने कहा की सूचना के बाद हमने टीम मौके पर भेजी लेकिन वहां कोई भी बाघ के पघमार नही मिले। पास में ही मेडिकल कॉलेज है, जहां रात में लोगों का आना-जाना बना रहता है, स्टाफ के साथ-साथ मरीजों के परिजन व मरीज भी इस मार्ग से आना-जाना करते हैं। जिसकी वजह से वन विभाग ने बाघ की मौजूदगी की सूचना पर त्वरित कार्यवाही कर टीम को मौके पर भेज कर सर्चिंग करवाई थी। बीते कुछ दिनों पहले मुख्यालय से सटे गांव पचगांव में जंगल लकड़ी बिनने गए एक शख्स को बाघ ने अपना शिकार बनाया था,जिससे युवक की मौके पर मौत हो गई। उसके बाद सिंहपुर में वही बाघ ने एक मवेशी पर हमला किया, जिससे शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बाघ की दहशत फैल गई। अब हर दिन वन विभाग अलग-अलग स्थान पर सर्चिंग कर लोगों को जागरूक करता दिखाई दे रहा है, वन विभाग की चार टीम लगातार सर्चिंग ऑपरेशन कर रही है। जहां भी वन विभाग के अधिकारियों को बाघ के होने की खबर लग रही है ,वहां वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंच सर्चिंग ऑपरेशन कर आसपास के लोगों को जागरुक कर जंगल की ओर न जाने की सलाह दे रही है। तीन दिन पहले एक बाघ झीरसागर जानें वाले मार्ग में देखा गया था, बिजौरी के रहने वाले पुनीत यादव बताते है की वह अपनी पत्नी को लेकर स्कूटी में गांव जा रहे थे ,तभी रास्ते में ही उन्हें बाघ का सामना हो गया, जिससे वह काफी भयभीत हो गए और वापस शहडोल आ गए। वन विभाग ने झीर सागर मार्ग में बाघ के होने की पुष्टि भी की है। ठंड शुरू होते ही कई टाइगर आसपास के क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं,वन विभाग की कई टीमें लगातार बाघ की निगरानी बनाए हुए हैं। और लोगों को जागरुक कर रही है कि लोग जंगल की ओर अकेले ना जाएं।

इनका कहना है

मेडिकल कॉलेज के समीप बीती रात बाघ के होने की जानकारी कुछ लोगों ने हमें दी थी, टीम भेज कर सर्चिंग करवाई गई है। लेकिन वहां बाघ के पघमार नहीं मिले हैं। जिससे यह स्पष्ट है कि वहां कोई भी टाइगर मौजूद नहीं है। रही बात झीरसागर मार्ग की तो वहा टाइगर देखा गया है। हमारी टीम निगरानी बनाए हुए है। लोगों को जंगल की ओर न जाने की सलाह दी गई है।

बादशाह रावत, एसडीओ
वनमंडल शहडोल

शहडोल DIG का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल छात्राओं को पूर्णिमा के दिन गर्भधारण न करने की दे रहीं हैं सलाह

बोलीं: वीडियो की गलत तरीके से दिखा रहे

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, शहडोल रेंज डीआईजी सविता सोहाने की बीते दिनों स्कूली छात्राओं को गर्भधारण पर दी गई सलाह चर्चा का विषय बन गई है। 4 अक्टूबर को शहडोल में लड़कियों की सुरक्षा पर आयोजित सरकारी कार्यक्रम में उन्होंने 10वीं से 12वीं कक्षा की छात्राओं से बात की। इस दौरान बचों को जन्म देने के बारे में उनकी सलाह का वीडियो वायरल हो गया। सोहाने ने मैं हूं अभिमन्यु कार्यक्रम के तहत छात्राओं को संबोधित किया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लड़कियों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाना और उनके प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है।

डीआईजी सोहाने ने छात्राओं को पूर्णिमा के दिन गर्भधारण न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, पहली बात पर ध्यान दें - पूर्णिमा के दिन गर्भधारण न करें। सूर्य के सामने झुकें और जल चढ़ाकर नमस्कार करें ताकि ओजस्वीसंतान पैदा हो।उन्होंने छात्राओं से भविष्य की पीढ़ियों की योजना बनाने के बारे में भी बात की। उन्होंने पूछा, आप पृथ्वी पर नया बचपन (नई पीढ़ी) लाएंगे। आप इसे कैसे करने जा रहे हैंयह सवाल कई लोगों को अटपटा लगा। खासकर क्योंकि यह सलाह अविवाहित छात्राओं को दी जा रही थी।

अक्सर स्कूलों में जाती हैं डीआईजी सोहाने सोहाने ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह मैं हूं अभिमन्युकार्यक्रम के तहत अक्सर स्कूलों में जाती हैं। इस कार्यक्रम का मकसद लड़कियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाना और उनके प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि उनका व्याख्यान उनके निजी आध्यात्मिक अनुभवों पर आधारित था। इन अनुभवों में शास्त्रों का अध्ययन और धार्मिक प्रवचन सुनना शामिल है। पूर्णिमा के दौरान गर्भधारण से बचने की सलाह के बारे में उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में पूर्णिमा को पवित्र समय माना जाता है।

सोहाने ने 31 साल पहले पुलिस बल जॉइन करने से पहले एक सरकारी स्कूल में पढ़ाया था। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका एक घंटे का भाषण लड़कियों के सम्मान पर केंद्रित था, खासकर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराधों को देखते हुए। उनका मानना है कि वायरल वीडियो क्लिप में पूरी बात नहीं दिखाई गई है, जिससे संदर्भ का अभाव है। उनके अनुसार, उनकी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है।

सविता सोहाने बेहद अनुभवी महिला अधिकारी हैं। उन्होंने 1991 में पीएससी का एग्जाम दिया लेकिन उनकी वॉइनिंग 1994 में हुई। उनकी पहली नियुक्ति डीएसपी के पद पर हुई थीं। इससे पहले वह एक कॉलेज में इतिहास की लेक्चरर थीं। टीचिंग के साथ ही उन्होंने अपनी तैयारी जारी रखी। इसके बाद अनुभव और सेवा के रिकॉर्ड के आधार पर उनका चयन भारतीय पुलिस सेवा में हुआ। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए अपनी सेवाएं दी हैं। फिलहाल वह डीआईजी हैं।

स्वामी विवेकानंद जन्मोत्सव पर हुआ सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम कार्यक्रम

योग से होता शारीरिक एवं मानसिक विकास-विधायक बांधवगढ़

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ उमरिया, जिले में स्वामी विवेकानन्द की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप मे मनाई गई। इस अवसर पर सूर्य नमस्कार का कार्यक्रम प्रात: 9 से 9.45 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो के माध्यम से एक साथ एक संकेत पर प्रसारित किया गया। जिला मुख्यालय उमरिया में अमर शहीद स्टेडियम ग्राउण्ड में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक बांधवगढ़ शिववनारायण सिंह, कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, तहसीलदार बांधवगढ सतीश सोनी, जनप्रतिनिधि शंभूलाल खट्टर, पुष्पेंद्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी श्री मरावी , जिला प्रमुख अधिकारी, गायत्री परिवार, ब्रम्हाकुमारी ईष्वरीय विष्व विद्यालय शांति मार्ग उमरिया, हार्ट फुलनेस संस्था, साहित्यिक संस्था वातायन, डीडीआरसी विभाग, पंतजलि योग संस्थान, वैष्य महा सम्मेलन एवं विभिन्न स्कूलों के छात्र छात्राएं उपस्थित रहकर योग किया।

सीएम सन्देश का प्रसारण...
मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती 12 जनवरी युवा दिवस पर प्रदेश में सूर्य नमस्कार और प्राणायाम का सामूहिक अभ्यास प्रतिवर्ष निरंतर किया जा रहा है। स्वामी विवेकानन्द ने जनसामान्य तक योग को पहुंचाया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द एक ऐसी प्रेरणा थे, जिनके विचार आज भी हम सब को ऊर्जा से भर देते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बांधवगढ़ षिवनारायण सिंह ने कहा कि योग हमें अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग से जहां एक ओर स्वास्थ्य ठीक रहता है वहीं शारीरिक एवं मानसिक विकास भी होता है। योग से कई प्रकार की बीमारियों से भी मुक्ति मिलती है। सूर्य नमस्कार में योग के सभी आसनों का समावेश होता है। सूर्य नमस्कार और प्राणायाम करके योग के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए स्वामी विवेकानन्द के बताये मार्ग पर चलना होगा। सूर्य नमस्कार और प्राणायाम को अपनाना होगा और स्वयं को समाज और देश के लिये कार्य करने के बड़े लक्ष्य से जोड़ना होगा।
कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का गायन करके किया गया। उसके बाद स्वामी विवेकानन्द जी के विश्व प्रसिद्ध शिकागो उदबोधन एवं मुख्यमंत्री जी के संदेश का प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन सुशील मिश्रा, राज कुमार महोबिया द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन जिला षिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया।

भूमाफिया पर रहम, पत्रकारों पर सितम

प्रशासन का लचर रवैया, लूट पिट रहे नागरिक

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले में एक बार फिर सीएम का दौरा होने को है जिसके मद्देनजर जिले की चाक चौबंद सुरक्षा की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है जिसके बतौर एहतियात इस दौरे में भी सीएम और जनता की दूरी में इजाफा होने और जनता अपनी बात सीएम से कहने में असमर्थ होगी, एक तो सुरक्षा को लेकर सामान्य तौर पर सीएम की आम जनता से दूरी रहती ही है, लेकिन जिले में भूमाफिया से तंग हाल लोगो की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही है जिले में जमीन का मूल्य जो भी हो लेकिन जनता का जनता के लिए चुना गया जनप्रतिनिधि को आज मतदाता की अहमियत समझ नहीं आ रही है कारण सिर्फ एक आम आदमी शहडोल जिला मुख्यालय में ही स्थित सोहागपुर तहसील अंतर्गत भूमाफिया से कुछ इस कदर तंग है की एक भूमाफिया फ़ोन पर अपना दबदबा कायम रखता है और वही आम नागरिक तहसील के चक्कर काट काट कर केवल चप्पलें घिस रहा है उसकी जिले मुख्यालय में ही कोई सुनवाई नहीं तो दूरस्थ अंचल का अंदाजा लगाया जा सकता है।

फर्जी इलाकेदार का घालमेल...
दरअसल शहडोल में एंटी भूमाफिया के तहत कार्यवाही होनी थी इस क्रम में जिले के शत प्रतिशत ब्याजखोर, किसानो का शोषण करने वाले, जमीनों के बदले ऊँचा ब्याज लगाकर उनकी भूमि हड़पने वाले और शासकीय, नजूल सहित वैन भूमि की आराजी पर कब्ज़ा कर बिक्री करने वाले फर्जी इलाकेदार से तंग लोगो की लंबी फेहरिस्त है, जिनमे सत्ता धारी भाजपा के सदस्य एवं पदाधिकारी ही प्रताड़ित है बावजूद शिकायत के महीनो से सालो बीतने को आये कार्यवाही आज तक लंबित है मानो जिले के जिम्मेदार अफसर अवैध तरीके से जारी भूमि कारोबार के चलते किसी अनहोनी घटना का इंतज़ार कर रहे है

मामला शासकीय नदी भूमि कल्याणपुर का मामला हो या सोहन बैगा की पुस्तैनी भूमि पर खड़ा आलिशान किया मोटर्स का भव्य शोरूम जिसे निचे सरकार की विशेष संरक्षित एक आदिवासी बैगा के सपने चूर चूर हो गए, कारण जिले में वर्ष से पदस्थ राजस्व अधिकारी गांधी के फेरे में आदिवासी बैगा की पुस्तैनी भूमि नहीं दिखाई दे रही है, वही बात करे तो राजस्व रिकॉर्ड में शासकीय नदी दर्ज भूमि पर युद्ध स्तर पर निर्माण कार्य जारी है, जिसे आरआई पटवारी का नजर अंदाज तो लाजिमी है लेकिन आला अधिकारी भी नजर अंदाज करे तो साझ से परे है ।

बेलगाम माफिया, नकेल..
जिले में बीते दिनों सीएम का कार्यक्रम इतिहासिक रहा जिसको याद नगर की जनता आज तलक नहीं भूल पाई है, जिसमे जिला कलेक्टर ने जिस गति से सीएम कार्यक्रम में हुए एक बचकाने कांड में 30 पत्रकारों का रिकॉर्ड खंगाला लिया और राष्ट्रीय खतरा बताते हुए 18 पत्रकार को चिन्हित किया, इसमें अधिमान्य पत्रकार और बुजुर्ग पत्रकार को कार्यवाही के लिए चिन्हित लिया गया, कुछ पर तो कार्यवाही की गाज भी गिरी, इससे तो तय है की संवेदनशील कलेक्टर इंसाफ पसंद है अन्याय और अराजकता के खिलाफ उनका डंडा चलता है, लेकिन वही हम बात करे तो एक लम्बे समय से जिले की जनता में भय आराजकता फैलने वाले तथाकथित भूमाफिया अभिषेक मिश्रा एन्ड पार्टी जिन्होंने एक साल में अलग अलग स्थानो सहित थाना कोतवाली को 50 से अधिक लोगो से घेर रखा, अलग अलग 5 जान लेवा हमले किया, दर्ज एफआईआर सहित बिना टीएनसीपी कालोनाइजर के प्लाट काट कालोनियां विकसित करके बिक्री कर दी, लाखो-करोडो का शासकीय राजस्व डकार लिया, लोगो को गुमराह करते हुए धोखाधड़ी कर दी, सरकारी कर्मचारी को मारा, जिले कि सबसे सुरक्षित पांडवनगर कालोनी में 15 - 16 हथियार बंद लोगो को भेजकर वरिष्ठ पत्रकार कि हत्या कि साजिश रची इस बात के प्रमाणित तथ्य प्रस्तुत किये जाने के बाद अगर जिला बदर की फाइल धूल फांक रही है तो इसके मायने जनता और आला अफसरों सहित आगामी दिनों में सूबे के मुख्यमंत्री को भी तलाशने होंगे, आखिर इन्साफ में कैसा भेदभाव कैसी न इंसाफ़ी ।
सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार जिला बदर की जो प्रस्तावित फाइल साहब के कार्यालय में धूल फांक रही है उसे मामला यहाँ भी राजस्व अफसरों की तर्ज पर मैनेज किये जाने की सुगबुगाहट है इस मामले में सुस्त रवैया और पत्रकारों के मामले में फ़ास्ट कार्यवाही जिले में बड़ी चर्चा का विषय है, नागरिको का यह भी कहना है कि जिले में माफिया को मिली छूट के पीछे की वजह आखिर क्या है, जिसे सूबे के मुख्यमंत्री तक पहुंचने में कितना समय लग सकता है इसका अंदाजा जिले के प्रशासनिक अफसरों ने लगाना शुरू कर दिया है।

चायनीज मांझे के ट्रांसमिशन लाइनों से संपर्क में आने से संभावित दुर्घटना के बचाव हेतु एम.पी. ट्रांसको ने चलाया रोको-टोको अभियान

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने दमोह की ट्रांसमिशन लाइनों के समीप, खासकर मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर चायनीज मांझे से पतंग उड़ाने के कारण संभावित दुर्घटना की आशंकाओं पर अंकुश लगाने व नागरिकों को सतर्क व सुरक्षित करने दमोह सहित समूचे प्रदेश में रोको-टोको अभियान चलाया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने आम जनों से ट्रांसमिशन लाइनों के पास पतंग नहीं उड़ाने के लिए कहा है। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता संदीप गायकवाड़ ने बताया दमोह में मकर संक्रांति पर बहुतायत पतंग उड़ाये जाने वाले संवेदनशील क्षेत्रों में नागरिकों से व्यक्तिगत संपर्क करने के अलावा पोस्टर बैनर एवं पी.ए. सिस्टम के माध्यम से उन्हें सचेत एवं सतर्क किये जाने का अभियान भी चलाया जा रहा है। जिससे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके साथ ही उपभोक्ताओं को विद्युत के अनावश्यक व्यवधान का सामना न करने पड़े। दरअसल प्रदेश में कुछ स्थानों पर ट्रांसमिशन लाइनों में चायनीज मांझा के साथ पतंग फंसने की घटनाओं के बाद विद्युत व्यवधान हुआ था तथा पतंग उड़ाने वालों को भी नुकसान पहुॅचा था। लेकिन एम.पी. ट्रांसको के संवेदनशील प्रोटेक्शन सिस्टम के 100 प्रतिशत ऑपरेट होने से बड़ी जनधन हानि से बचा जा सका था।

क्यों घातक है चायनीज मांझा
चायनीज मांझा चीन से आने वाले धातु से लिपटी पतंग की डोरी होती है। इसमें कई तरह के केमिकल और धातुओं का इस्तेमाल किया जाता है, जो डोरी को बिजली का अच्छा सुचालक बना देता है, जो संपर्क में आने से पतंग उड़ाने वाले के लिये घातक साबित होता है, साथ ट्रांसमिशन लाइन में लिपटने से व्यापक क्षेत्र में विद्युत व्यवधान और जनधन हानि की आशंका रहती है।

ये क्षेत्र है संवेदनशील दमोह में वैशाली परिसर के आसपास का रहवासी क्षेत्र, जबलपुर नाका, बालाकोट रोड, कलेक्टर परिसर के आसपास, विद्युत मंडल कालोनी आदि क्षेत्र चायनीज मांझे के कारण संभावित दुर्घटना के लिये अति संवेदनशील क्षेत्र है, जहां पर ट्रांसमिशन लाइनों के संपर्क में न आने के लिये सुरक्षा, सतर्कता एवं सजगता अति आवश्यक हैं

शाजापुर में वैष्णव बैरागी समाज 21 जनवरी को मनाएगा रामानंदाचार्य जी की जयंती

समाज जनों की बैठक संपन्न

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, शाजापुर में वैष्णव बैरागी समाज 21 जनवरी को मनाएगा रामानंदाचार्य जी की जयंती, समाज जनों की बैठक संपन्न। रविवार को शाम 6 बजे मिली जानकारी के अनुसार अखिल भारतीय वैष्णव बैरागी समाज द्वारा 21 जनवरी को श्री रामानंदाचार्य जी महाराज की जयंती स्थानीय गरासिया घाट नीलकंठ महादेव मंदिर हाट मैदान शाजापुर में मनाई जाएगी जिसके तैयारी को लेकर समाज जनों द्वारा बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

अनुभूति बच्चों को दी गई वन्य प्राणी और वनों की जानकारी

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ उमरिया, बाघों के लिए विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में अनुभूति कैंप के माध्यम से बच्चों को वन और वन्य प्राणी की जानकारी दी गई है । शनिवार को धमोखर बफर परिक्षेत्र में परासी गेट के अंदर जंगलों में ले जाकर बच्चों को जंगल में सैर करवाई गई। जंगल में वृक्षों और वृक्षों के उपयोग की जानकारी दी गई। वन्य प्राणियों की जानकारी देने के साथ-साथ अधिकारियों ने बच्चों से बात की। बच्चों को वनों की सुरक्षा वन्य प्राणियों की सुरक्षा और पेड़ लगाने से प्रकृति को होने वाले लाभ के बारे में बताया। धमोखर बफर परिक्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र से स्कूल से 102 बच्चे अनुभूति कैंप में पहुंचे थे। संचार प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति के चौयरमेन निरंजन बिशी,सदस्य गुलाम अली, क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय,उप संचालक पी के वर्मा धमोखर परिक्षेत्र के अनुभूति कैंप में पहुंचे एवं बच्चों से बात

चीत की। बांधों का टाइगर रिजर्व में अनुभूति कैंप में बच्चों को सुबह नाश्ता फिर जंगल की सैर, वनों की जानकारी, वृक्षों की जानकारी वन्य प्राणियों की जानकारी के साथ दोपहर का भोजन दिया गया साथ ही कैंप में बच्चों को की प्रतियोगिता भी कराई गई। अनुभूति कैंप में बच्चों को मैं हूं बाघ की थीम पर बच्चों को डांस करवाया गया। बच्चे भी उत्साहित होकर वन्य प्राणियों की जानकारी ली। मैं हूं बाघ थीम के सॉन्ग पर जमकर डांस किया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर परिक्षेत्र के परिक्षेत्र अधिकारी विजय शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार अनुभूति कैंप में प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया गया। बच्चों को वन्य प्राणियों के साथ वृक्षो की जानकारी दी गई। वृक्ष और जंगलों को बचाने के बारे में समझाया गया। जंगली जानवरों वन्य प्राणियों की जानकारी दी गई। रेंज के आसपास लगभग पांच गांव के 102 बच्चे कैंप में शामिल हुए हैं।

युवा दिवस पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने युवाओं को दिया संदेश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, आज युवा दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश योग आयोग जिला आयोग समिति दमोह मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा बेलाताल के सामने स्थित त्रिमूर्ति पार्क में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा मुख्यमंत्री जी ने एक शब्द दिया है, जिसका नाम है (ज्ञान) जिसमें जी का मतलब गरीब, वाई का मतलब युवा, ए का मतलब अन्नदाता और एन का मतलब नारी इनके ऊपर चार नए मिशन राज्य सरकार शुरू कर रही है और उसमें से एक युवा मिशन आज से प्रारंभ हो रहा है, इसके तीन लक्ष्य है, पहला संवाद, दूसरा सामर्थ और तीसरा समृद्धि, युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल, रोजगार इन तीनों के माध्यम से समृद्धि के रास्ते खोलना राज्य सरकार का उद्देश्य है। नरेंद्र बजाज ने कहा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर सूर्य नमस्कार कार्यक्रम हुआ है, स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर इस प्रकार के कार्यक्रम करते हैं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री द्वारा (ज्ञान) के द्वारा पूरे प्रदेश में एक संदेश देने की कोशिश की है, यह निश्चित ही सराहनीय है। उन्होंने कहा युवा आगे आए और ऐसे कार्यों में आगे आकर देश को

सफल और स्वच्छ बनाने में अपना योगदान करें, ऐसा स्वामी विवेकानंद जी का भी कहना था। गौरव पटेल ने कहा 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की जन्म जयंती पर युवा दिवस के रूप में आज सूर्य नमस्कार का आयोजन त्रिमूर्ति पार्क में किया गया है। इस अवसर पर सभी को स्वच्छता की शपथ दी गई है और योग के प्रति जागरूक हों, सूर्य नमस्कार के क्या-क्या फायदे हैं सभी विषयों पर चर्चा हुई, इसको निरंतर आगे बढ़ने का कार्य हम सभी करेंगे ऐसा संकल्प भी लिया गया है। इस दौरान स्वछता की शपथ दिलाई गई।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत, अखंड भारत की हम जो कल्पना करते हैं, उस लक्ष्य को लेकर 2047 तक का विजन डॉक्यूमेंट तैयार हुआ

विजन डॉक्यूमेंट पर हुई चर्चा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, विजन डॉक्यूमेंट के संबंध में कलेक्टर कार्यालय में बैठक संपन्न हुई। बैठक में सांसद दमोह राहुल सिंह, पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया,मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण कुसमरिया,जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल,कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा मुख्यमंत्री ने विजन डॉक्यूमेंट बनाने के लिए कहा है, आज पूरे दमोह का एक विजन डॉक्यूमेंट्री तैयार हुआ है, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है कि 2047 का भारत विकसित भारत हो, एक भारत, श्रेष्ठ भारत, अखंड भारत की हम जो कल्पना करते हैं, उस लक्ष्य को लेकर 2047 तक का विजन तैयार हुआ है। किस प्रकार से शिक्षा के क्षेत्र में दमोह आगे काम कर सकता है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम दमोह के लिए क्या बेहतर ला सकते हैं, चारों विधानसभाओं को लेकर डॉक्यूमेंट तैयार हुआ है, उसको फाइनल रूप दिया गया है और आने वाले समय में इस गाइडलाइन पर सरकार काम करेगी। पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने कहा विजन डॉक्यूमेंट को अंतिम रूप दिया गया है, अगले 4 वर्षों में अलग-अलग विभागों में कौन-कौन से कार्य होंगे, इसमें हर विभाग लिया गया है। इसी के संबंध में बैठक आयोजित की गई सभी ने अपने-अपने सुझाव दिए इसका विस्तार कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा लगभग 16-17 विभाग है उन सभी की कार्य योजनाओं को देखा और उनका विस्तार और क्या-क्या काम होना है यह सब किया गया है। मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा विजन डाक्यूमेंट तैयार हुआ है उसमें समग्र विकास और लोगों के जीवन में खुशहाली लाने की योजना है, सभी बातों पर विचार करके विजन डॉक्यूमेंट बनाया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल ने कहा मुख्यमंत्री ने सभी जगह का विजन डॉक्यूमेंट बनवाया है। हम कैसे अपने दमोह को 2047 तक सुपर और परफेक्ट दमोह बना सकते हैं, इस बारे में चर्चा की गई, जिले में जो जो कमियां हैं उनको कैसे दूर कर सकते हैं और अंतिम पंक्ति में खड़े हुए लोगों को कैसे आगे लाया जा सकता है इस पर चर्चा की गई। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा मुख्यमंत्री के निर्देश थे कि हर जिले का अपना एक विजन डॉक्यूमेंट होना चाहिए। इसी सिलसिले में हमने विजन डॉक्यूमेंट को तैयार किया था उसको जनता और प्रतिनिधियों से शेयर किया था, जितने सुझाव सभी से प्राप्त हुए उसके आधार पर एक अंतिम प्रारूप आज बनाया गया, जिस पर आज सभी जनप्रतिनिधिगणों और उनके प्रतिनिधिगणों के साथ बैठक हुई, यह बैठक बहुत ही सार्थक रही, बैठक में इसमें इंप्रूवमेंट के बहुत से सुझाव आए हैं, इन सुझावों को अंतिम रूप देकर के हमारा प्रयास रहेगा कि आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर विधिवत मुख्य अतिथि महोदय के

महाकुंभ शुरू होने से पहले माता वैष्णो के भक्तों के लिए बड़ी खुशखबरी.... रेलवे ने किया बड़ा ऐलान

नेशनल डेस्क. महाकुंभ 2025 की तैयारियों के तहत तीर्थयात्रियों के सफर को आसान बनाने के लिए भारतीय रेलवे ने विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री और उधमपुर से सांसद जितेंद्र सिंह ने बताया कि कटरा-प्रयागराज के बीच तीन विशेष ट्रेनों की योजना बनाई गई है। इनमें से पहली ट्रेन 24 जनवरी को कटरा श्री माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन से रवाना होगी और 26 जनवरी को प्रयागराज से वापस आएगी।

रेलवे अधिकारियों ने महाकुंभ में आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए 80 मेले स्पेशल ट्रेनों सहित 300 से अधिक ट्रेनों का संचालन सुनिश्चित किया है। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि कांत त्रिपाठी ने बताया कि भीड़ प्रबंधन, टिकट बुकिंग, ट्रेन सेवाओं और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

विशेष ट्रेन का शेड्यूल

पहली ट्रेन 24 जनवरी को कटरा से दोपहर 3ः50 बजे रवाना होकर 25 जनवरी को सुबह 5ः45 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 26 जनवरी को शाम 3ः15 बजे प्रयागराज से रवाना होकर 27 जनवरी को सुबह 5ः05 बजे कटरा पहुंचेगी। अन्य दो ट्रेनों का शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा।

महाकुंभ के मुख्य स्नान पर्वों को देखते हुए रेलवे ने 10 जनवरी से रिंग रेल सेवाएं शुरू कर दी हैं। अनारक्षित छोटी दूरी की ट्रेनों का संचालन भी महाकुंभ के पहले दिन से शुरू हो चुका है। मकर संक्रांति जैसे महत्वपूर्ण स्नान पर्वों के लिए विशेष ट्रेन सेवाएं पहले ही शुरू कर दी गई हैं।

कुंभ मेले के दौरान तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रयागराज में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और राजकीय रेलवे पुलिस के हजारों कर्मियों को तैनात किया गया है।

विभिन्न राज्यों से रेलवे कर्मचारियों को भी मेले के संचालन में सहयोग के लिए लगाया गया है। महाकुंभ के लिए रेलवे की यह पहल तीर्थयात्रियों के सफर को सुगम और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से की गई है।

खेत बना क्रिकेट का मैदान, जशपुर की 5 आदिवासी बेटियां बनीं नेशनल प्लेयर

नेशनल डेस्क. छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले की पांच आदिवासी बेटियों ने साबित कर दिया है कि मेहनत और जज्बे से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। जशपुर के सरकारी प्री-मैट्रिक आदिवासी छात्रावास में रहने वाली ये लड़कियां अब नेशनल क्रिकेट खिलाड़ी बन गई हैं। इनमें से आकांक्षा रानी को बीसीसीआई की अंडर-19 टीम में चुना गया है, जबकि तुलसिका भगत, एंजिल लकड़ा, नितिका बाई और अल्का रानी कुजूर अंडर-15 नेशनल टूर्नामेंट खेल रही हैं।

इन बेटियों ने हॉस्टल के पास स्थित खेतों में ही क्रिकेट खेलना शुरू किया। शुरुआत में इनके पास न तो कोच था और न ही क्रिकेट खेलने का साधन। छात्रावास की अधीक्षक पंडरी बाई ने इन्हें पहली क्रिकेट किट दिलवाई। उन्होंने बताया कि शुरुआत आकांक्षा से हुई। पंडरी ने अपनी बेटी आकांक्षा के लिए कोच रखा, जो मेहनत के बल पर स्टेट टीम तक पहुंची। इसके बाद उन्होंने सोचा कि हॉस्टल की बाकी लड़कियां भी आकांक्षा की तरह आगे बढ़ सकती हैं।

पंडरी बाई ने कोच संतोष कुमार से बात की। कोच ने सहमति जताई कि वे आकांक्षा के साथ हॉस्टल की दूसरी लड़कियों को भी ट्रेनिंग देंगे। एक ही फीस में सभी लड़कियों को सिखाने का फैसला लिया गया। धीरे-धीरे इन बच्चियों ने अपने खेल में सुधार किया और अब नेशनल लेवल पर अपनी पहचान बना रही हैं।

आकांक्षा के पिता शंकर राम खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण उनका सपना अधूरा रह गया। उन्होंने अपनी बेटी के लिए वह सपना पूरा करने का ठाना। शंकर और उनकी पत्नी पंडरी ने खेत को मैदान में बदला और अपनी सैलरी से पैसे बचाकर कोच को रखा। तत्कालीन कलेक्टर रवि मित्तल की मदद से मैदान में नेशनल पिच तैयार की गई।

शुरुआत में समझ नहीं आया कि आगे कैसे बढ़ा जाए, तब आकांक्षा के वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए। जशपुर जिले के बीसीसीआई सचिव अनिल श्रीवास्तव ने आकांक्षा के बैटिंग वीडियो देखे और उनके टैलेंट को पहचाना। उन्होंने खुद आकर परिवार से मुलाकात की और आगे का रास्ता दिखाया।

बेटियों की सफलता का संदेश

इन बेटियों ने दिखा दिया कि अगर सही मार्गदर्शन और मेहनत हो, तो कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है। आज ये लड़कियां न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रही हैं। इनके संघर्ष और सफलता की कहानी अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा बन गई है।

पाकिस्तानी सैनिक कर रहे देश से गद्दारी, आतंकवादियों को बेचे खतरनाक हथियार !

इंटरनेशनल डेस्क. पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक गंभीर सुरक्षा घोटाला सामने आया है, जहां संघीय लेवी बल के 140 अत्याधुनिक हथियार और 1.4 लाख गोलियां अनधिकृत व्यक्तियों के कब्जे में पाई गई हैं। यह घटनाक्रम बलूचिस्तान में सुरक्षा चूक और हथियारों के दुरुपयोग की गंभीर चिंता को उजागर करता है। अधिकारियों के अनुसार, इन हथियारों और गोलियों का वितरण अवैध व्यक्तियों को किया गया था, जिससे आतंकवादियों और अलगाववादियों तक इनकी पहुंच हो सकती है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि 'संघीय लेवी बल पाकिस्तान का प्रांतीय अर्धसैनिक बल (जेंडरमेरी) है, जिसकी मुख्य भूमिका कानून का पालन सुनिश्चित करना, कानून-व्यवस्था बनाए रखने में नागरिक पुलिस की मदद करना और प्रांतीय स्तर पर आंतरिक सुरक्षा अभियानों का संचालन करना है।

पुलिस उपायुक्त की ओर से झोब के नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, ये हथियार और गोलियां संघीय लेवी बल के लिए थे, लेकिन इन्हें अनधिकृत व्यक्तियों को वितरित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में संलिप्तता के आरोप में 69 लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिनमें सेवारत और सेवानिवृत्त लेवी बल के कर्मियों के साथ-साथ प्रभावशाली कबायली हस्तियां भी शामिल हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अब्दुल सबूर के अनुसार, अधिकारियों ने अभी तक क्लाश्निकोव राइफल और पिस्तौल सहित 44 हथियार व भारी संख्या में गोलियां बरामद की हैं।

उन्होंने कहा, अनधिकृत व्यक्तियों के पास मौजूद और हथियार व गोलियां बरामद करने के लिए जांच जारी है। सबूर के मुताबिक, ऐसी चिंताएं हैं कि इनमें से कुछ हथियार और गोलियां क्षेत्र में सक्रिय अलगाववादी समूहों के हाथ लग गए होंगे। उन्होंने बताया कि यह घोटाला इस सप्ताह की शुरुआत में तीन जिलों में बलूचिस्तान पुलिस के साथ लेवी बल की विलय प्रक्रिया के दौरान सामने आया। सबूर के अनुसार, अधिकारियों ने हथियार भंडार की जांच के दौरान पाया कि क्लाश्निकोव राइफल सहित 140 हथियार और 1,40,000 गोलियां गायब थीं, जिससे सुरक्षा चूक और हथियारों के संभावित दुरुपयोग के बारे में चिंताएं बढ़ गईं। बलूचिस्तान लंबे समय से अलगाववादियों के विद्रोह और आतंकवादी घटनाओं का सामना कर रहा है, जिससे यह घोटाला खासतौर पर चिंता का सबब बन गया है। संघीय लेवी बल बलूचिस्तान में आतंकवाद रोधी अभियानों में अहम भूमिका निभाते हैं।

श्रीलंकाई नौसेना ने आठ भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क. श्रीलंकाई नौसेना ने द्वीपीय राष्ट्र (श्रीलंका) के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने के साथ ही मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं को जब्त कर लिया है। यह जानकारी श्रीलंकाई नौसेना द्वारा रविवार को जारी एक विज्ञप्ति से मिली। श्रीलंका की नौसेना ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ये गिरफ्तारियां शनिवार रात को मन्नार के उत्तर के समुद्री क्षेत्र में शुरू किए गए एक विशेष अभियान के दौरान हुईं। बयान में कहा गया है कि इन गिरफ्तारियों के साथ ही इस वर्ष अब तक 18 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है और तीन नौकाएं जब्त की जा चुकी हैं। श्रीलंकाई नौसेना ने बताया कि 11 जनवरी की रात को उसकी उत्तर-मध्य कमान ने भारतीय मछुआरों की कुछ नौकाओं को देखा जो श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे। उसने कहा कि कमान ने मन्नार के उत्तर समुद्री क्षेत्र से भारतीय मछुआरों की नौकाओं

खदेड़ने के लिए अपने गश्ती जहाजों को भेजा। उसने बताया, ''इस अभियान के तहत मछली पकड़ने वाली दो भारतीय नौकाओं को जब्त कर लिया गया तथा आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया।%% नौसेना ने बताया कि भारतीय मछुआरों के साथ जब्त की गई नौकाओं को इरानतिवु द्वीप लाया गया और उन्हें कानूनी कार्यवाही के लिए किलिनोच्ची के सहायक मत्स्य निदेशालय को सौंप दिया जाएगा।

बांग्लादेश में फिर अल्पसंख्यकों पर अत्याचार

इंटरनेशनल डेस्क. कट्टरपंथियों के 6 मंदिरों पर हमले व लूटपाट, 2 हिंदुओं की हत्या

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ कट्टरपंथी हमले फिर से बढ़ गए हैं, जिससे हिंदुओं में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। करीब एक पखवाड़े बाद, कट्टरपंथियों ने छह मंदिरों को निशाना बनाया। यह हमले चटगांव के हथाजारी क्षेत्र, कॉक्स बाजार और लाल मोनिरहाट में हुए हैं। इसके अलावा, हिंदू समुदाय के लोगों को भी हिंसा का शिकार बनाया गया है, जिसमें हत्या और अपहरण की घटनाएं भी शामिल हैं। चटगांव के हथाजारी में चार मंदिरों में डकैती की घटनाएं हुई हैं। इनमें मां विश्वेश्वरी काली मंदिर में सोने के गहनों और दानपेटी की लूटपाट हुई है, साथ ही सत्यानारायण सेवा आश्रम, मां मागधेश्वरी मंदिर और जगबंधु आश्रम में भी चोरी की घटनाएं हुई हैं। इसके अलावा, कॉक्स बाजार के श्रीमंदिर में भी चोरी की घटना सामने आई है। यहां चोरों ने सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को नष्ट कर दिया था। लाल मोनिरहाट में भी हिंदू मंदिरों पर हमले हुए हैं, जिसमें प्राचीन मूर्तियां और पूजन सामग्री लूटी गईं।इन हमलों के अलावा, बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ अन्य हिंसक घटनाएं भी सामने आई हैं। इनमें से एक घटना में पूर्व कॉलेज शिक्षक दिलीप कुमार रॉय (71) को उनके घर में घुसकर हत्या कर दी गई। दूसरी घटना में 26 वर्षीय व्यवसायी सुदेव हलदर की गला रेतकर हत्या की गई। इसके अलावा, एक हिंदू व्यापारी का अपहरण कर फिरौती वसूलने के बाद उसे छोड़ दिया गया। इन घटनाओं के बावजूद, बांग्लादेश पुलिस ने अभी तक किसी भी अपराधी को गिरफ्तार नहीं किया है। इन मामलों में पुलिस की निष्क्रियता सवाल उठाती है। चटगांव में एक हिंदू प्रिंसिपल, चंदन महाजन को कट्टरपंथियों ने जबरन इस्तीफा देने पर मजबूर किया। यह कदम धार्मिक घृणा से प्रेरित बताया जा रहा है।

चीन बना रहा दुनिया का सबसे बड़ा बांध, बांगलादेश में आएगी भयंकर तबाही

इंटरनेशनल डेस्क. चीन दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने जा रहा है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, तिब्बत के पूर्वी क्षेत्र में बने इस बांध से बांगलादेश में भयंकर तबाही आ सकती है। जमुना नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बड़े बदलाव हो सकते हैं। मानसून के दौरान, चीन द्वारा बनाए गए बांध से पानी के बड़े रिसाव से बांगलादेश के बड़े हिस्से में बाढ़ आ सकती है। वहीं, सूखा सीजन आने पर अगर चीन पानी का रिसाव बंद कर देता है, तो बांगलादेश का यह क्षेत्र सूख सकता है। इस परियोजना से न केवल नदी के मार्ग में बदलाव आ सकता है, बल्कि कुछ लोग

यह भी डर रहे हैं कि अगर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनता है, तो भूकंप का खतरा भी बढ़ सकता है।

चीन यह बांध तिब्बत के जिमा योंगजोंग ग्लेशियर पर बना रहा है, और इसके द्वारा उत्पादित बिजली के लिए यह एक बड़ा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट है। यह बांध यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र) नदी पर बनेगा, जो भारत के अरुणाचल प्रदेश में सिओंग नदी के रूप में जानी जाती है। इस नदी का नाम भारत में ब्रह्मपुत्र हुआ और यह बांगलादेश में प्रवेश करती है। 1787 में एक भूकंप के कारण इस नदी का मार्ग बदल गया था। अगर बांगलादेश के जमुना नदी का मुहाना नियंत्रित कर लिया जाता है, तो बांगलादेश के लिए यह एक गंभीर आपदा हो सकती है। चीन की इस परियोजना के बारे में बांगलादेश के प्रभावशाली लोग चुप हैं। उन्हें पता है कि यह परियोजना देश के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकती है, लेकिन फिर भी वे इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। कुछ लोग चीन के प्रभाव में आकर अपने निजी लाभ के लिए इस प्रोजेक्ट का समर्थन कर रहे हैं, जबकि बांगलादेश को इसके खतरों से अवगत होना चाहिए था। चीन ने इस बांध को बनाने के लिए 137 बिलियन डॉलर की राशि खर्च करने का लक्ष्य रखा है। यह परियोजना हर साल 300 बिलियन किलोवाट-घंटे बिजली पैदा करेगी। हालांकि, इससे पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ेगा और हजारों लोग विस्थापित होंगे। पहले चीन ने थ्री गॉर्जेस डैम बनाया था, जिसमें 14 लाख लोग विस्थापित हुए थे, और अब यह नया प्रोजेक्ट तीन गुना बड़ा होगा। इससे बहुत से लोग फिर से अपने घरों से बेघर हो सकते हैं। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, इस तरह के विशाल बांध से पृथ्वी की गति में भी बदलाव आ सकता है, जैसा कि थ्री गॉर्जेस डैम से हुआ था। जब तीन गुना बड़ा बांध बनेगा, तो पृथ्वी पर इसका असर और भी बढ़ सकता है। हालांकि, चीन अपनी योजनाओं को लागू कर रहा है, बाकी देशों में इसके खिलाफ विरोध हो रहा है, लेकिन बांगलादेश अभी भी चुप है। यह स्थिति बांगलादेश के लिए गंभीर संकट की ओर बढ़ रही है, क्योंकि चीन इस परियोजना के तहत अपने हितों को पूरा करने के लिए बांगलादेश को खतरे में डालने का काम कर रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569